यीशु पुकारते हैं

YEESHU PUKARTHE HEIN HINDI MONTHLY - NOVEMBER 2025
VOL. 24 ISSUE 5 - 28 PAGES - RS. 21/-

नवंबर 2025

इसके अंदर...

आने वाली पीढ़ियों को आशीष
पिता की देखरेख में
क्या आप अब भी वफादार हैं?

पवित्र आत्मा तुझ पर उतरेगा,
और परमप्रधान की
सामर्थ्य तुझ पर छाया करेगी
(लूका 1:35)

शुरुआत से ही सेवकाई का प्रभाव: 28,000 से अधिकआगंतुक – दुनिया भर से 7,000 से अधिक प्रार्थना मध्यस्थ, 25 से अधिक कलीसियाएँ और बाइबल अध्ययन समूह, 30 से अधिक समर्पित अंतर्राष्ट्रीय स्वयंसेवक, 150 से अधिक प्रमुख सम्मेलनों और कार्यक्रमों का आयोजन, वैश्विक यीशु बुलाता है नेटवर्क में 118 प्रार्थना भवन से इजराइल प्रार्थना भवन में आ चुके हैं।

जैतून पर्वत और पुराने शहर के दृश्य के साथ 20 वीं मंज़िल पर स्थित, इजराइल प्रार्थना भवन (आईपीटी) यरुशलेम के हृदय में एक भविष्यसूचक प्रहरीदुर्ग के रूप में खडा है, एक ऐसा स्थान जहाँ स्वर्ग और पृथ्वी निरंतर प्रार्थना में मिलते हैं। इस पवित्र स्थान से की गई प्रत्येक प्रार्थना, राष्ट्रों के लिए प्रार्थना में एकजुट होने के परमेश्वर के अनंत आह्वान को पूरा करती है, जो हमारे प्रभु यीशु मसीह की शीघ्र वापसी का मार्ग तैयार करती है।

वैश्विक प्रभाव का 12 वाँ वर्ष:

25 से अधिक देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रति माह औसतन 100 प्रार्थना मध्यस्थों के साथ, जिनमें भारत, अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कैमरून, कनाडा, चिली, चीन, कोलंबिया, चेक गणराज्य, डोमिनिकन गणराज्य, इंग्लैंड, इथियोपिया, फ्रांस, जर्मनी, हांगकांग, जापान, केन्या, मेक्सिको, नीदरलैंड, न्यूजीलैंड, फिलीपींस, रूस, दक्षिण कोरिया,श्रीलंका, अमेरिका और निश्चित रूप से, इजराइल शामिल हैं, प्रार्थना भवन वास्तव में यशायाह के भविष्यसूचक दृष्टिकोण को 'सभी लोगों के लिए प्रार्थना के घर' के रूप में साकार करता है।

'सिय्योन में नरसिंगा फूंको ; मेरे पवित्र पर्वत पर सांस बान्ध कर फूंको! देश के सब रहने वाले कांप उठें, क्योंकि यहोवा का दिन आता है, वरन वह निकट ही है।' (योएल 2:1)

प्रत्येक दिन, अंग्रेजी, हिब्रू, तमिल, तेलुगु, हिंदी, स्पेनिश, कोरियाई और रूसी भाषा बोलने वाले मध्यस्थों की प्रार्थनाएँ उठती हैं, जो आराधना और प्रार्थना का एक ऐसा संगीतमय संयोजन बनाती हैं जो हर सांस्कृतिक सीमा को पार कर जाता है। ये भाषाई प्रार्थना समूह उन विश्वासियों की एकता को प्रदर्शित करते हैं जो इजराइल के भाग्य, वैश्विक पुनरुत्थान और राष्ट्रों के परिवर्तन के लिए प्रार्थना करने के लिए एकत्रित होते हैं।

वर्ष को आकार देने वाले कार्यक्रम: पूरे वर्ष, इजराइल प्रार्थना भवन ने दस प्रमुख समारोहों का आयोजन किया। उनमें से कुछ हैं: 'प्रकाश' क्रिसमस संगीत कार्यक्रम – कोरिया के येरूशलम में प्रेम और आनंद, संसार के प्रकाश, मसीह के सम्मान में एक आनंदमय क्रिसमस आराधना का आयोजन किया गया।

वर्ष को आकार देने वाले कार्यक्रम: पूरे वर्ष, इजराइल प्रार्थना भवन ने दस प्रमुख समारोहों का आयोजन किया। उनमें से कुछ हैं: 'प्रकाश'

क्रिसमस संगीत कार्यक्रम – कोरिया के येरूसलम में प्रेम और आनंद, संसार के प्रकाश, मसीह के सम्मान में एक आनंदमय क्रिसमस आराधना का आयोजन किया गया।

पुरीम उत्सव – शेमेन साजोन मण्डली ने परमेश्वर के उद्धार और वाचा की निष्ठा में आनन्दित हुए

फसह सम्मेलन – लंदन से शब्बत पालन सेवकाई ने परमेश्वर के मेमने के माध्यम से इजराइल के उद्धार पर दो दिवसीय चिंतन का नेतृत्व किया।

रेमजय़िन विश्वविद्यालय स्नातक समारोह – इजराइल और राष्ट्रों में परमेश्वर के उद्देश्यों के लिए समर्पित सेवकाई स्नातकों को सम्मानित किया गया।

डोमिनिकन गणराज्य पादरी प्रतिनिधिमंडल – डोमिनिकन गणराज्य के पादरी इजराइल और वैश्विक एकता के लिए मध्यस्थता करने के लिए शामिल हुए।

यहोवा एरी वार्षिक प्रार्थना सभा – भारतीय महिला समूह ने टूटे हुए हृदय वालों के लिए हार्दिक प्रार्थना की।

होलोकॉस्ट उत्तरजीवियों की आराधना संध्या – उत्तरजीवी और मध्यस्थ आराधना और चंगाई में एकजुट हुए, जिससे पीढियों को परमेश्वर के प्रेम में जोडा गया।

यरुशलेम को आशीर्वाद देने वाला युवा सम्मेलन – लगभग 140 कोरियाई युवा यरूशलेम के लिए प्रार्थना करने और इजराइल को आशीर्वाद देने के अपने आह्वान को स्वीकार करने के लिए एकत्रित हुए।

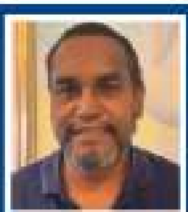

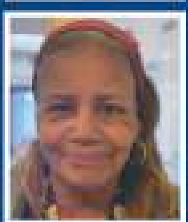

स्वयंसेवकों के जीवन में परिवर्तन

प्रार्थना भवन का हृदय अपने स्वयंसेवकों के माध्यम से धडक़ता है, जो परमेश्वर के सेवक है और विनम्रता और भक्ति के प्रतीक है।

✻ ✻कनाडा के जोस फ्रांसिस्को ने सेवा के अवसर के लिए गहरा आभार व्यक्त किया और इसे 'दूसरों की मदद करने और परमेश्वर के करीब आने का एक आशीर्वाद' कहा।

✻ एक अन्य स्वयंसेवक, जेलन ने यरुशलेम में प्रार्थना भवन में कदम रखते ही एडोनाई की अद्भुत उपस्थिति को महसूस करने की गवाही दी और एक शक्तिशाली चमत्कार के बारे में बताया, जब तीन दिनों की प्रार्थना के बाद एक व्यक्ति अवसाद से ठीक हो गया।

ये गवाहियाँ दर्शाते है कि प्रार्थना भवन में सेवा करने से न केवल उन लोगों का, जिनके लिए प्रार्थना की जाती है, बल्कि उन लोगों का भी परिवर्तन होता है जो प्रार्थना करते है।

आगे की ओर देखना

जैसे-जैसे इजराइल प्रार्थना भवन एक नए दौर में प्रवेश कर रहा है, इसके लक्ष्य अटल बने हुए हैं:

✻ इजराइल और राष्ट्रों के लिए चौबीसों घंटे मध्यस्थता जारी रखना

✻ अधिक अंतर्राष्ट्रीय आगंतुकों के स्वागत के लिए आतिथ्य का विस्तार करना

✻ यरुशलेम के विविध विश्वासी समुदाय की सेवा करते हुए स्थानीय कलीसियाओं को मजबूत बनाना

✻ प्रार्थना मध्यस्थों की अगली पीढी को प्रशिक्षित करना

✻ भविष्यसूचक प्रार्थना को आगे बढाने के लिए वैश्विक सेवकाइयों और कलीसियाओं के साथ साझेदारी बनाना

आपको इस दिव्य आह्वान का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया जाता है। एक स्वैच्छिक प्रार्थना मध्यस्थ के रूप में शामिल हों और इस अंतराल में खडे होने के आनंद का अनुभव करें, जिससे आप इजराइल और राष्ट्रों के लिए परमेश्वर के वादों के केंद्र में आ सकें। प्रार्थना भवन में 10 से 14 दिनों की समर्पित अवधि के लिए सेवा करने के लिए व्यक्तियों का स्वागत है, तथा वे परमेश्वर के उद्देश्यों के मर्म को बनाए रखने और मध्यस्थता करने के इस पवित्र अवसर का लाभ उठा सकते हैं।

इजऱाइल प्रार्थना भवन, 34 बेन येहुदा स्ट्रीट, 20 वीं मंजिल, यरुशलेम, इजऱाइल
ईमेल: info@israelprayertower.org
वेबसाइट: http://www.israelprayertower.org
संपर्क नंबर: +91 8056944244; +972 52-720-2244

आने वाली पीढ़ियों को आशीष

प्रिय मित्र, इस महीने प्रभु यीशु आपको सम्मानित करने, आपके परिवार और आने वाली पीढियों को आशीष देने का प्रतिज्ञा करते हैं क्योंकि आप उसकी सेवा करते हैं। नवंबर धन्यवाद का महीना है और परमेश्वर आपको यूहन्ना 12:26 में दिए गए अपनी प्रतिज्ञा की याद दिलाकर आपकी सेवा को याद करते हैं, 'यदि कोई मेरी सेवा करे, तो मेरे पीछे हो ले; और जहां मैं हूं वहां मेरा सेवक भी होगा; यदि कोई मेरी सेवा करे, तो पिता उसका आदर करेगा।' क्या ही शानदार प्रतिज्ञा! परमेश्वर के राज्य के लिए आपकी हर निष्ठा, हर प्रार्थना और हर बलिदान, आशीर्वाद का बीज बन जाता है जो आपको सम्मान दिलाएगा। नीतिवचन 20:7 में पवित्रशास्त्र घोषणा करते हैं, 'धर्मी लोग निर्दोष जीवन जीते हैं; उनके बाद उनकी संतान धन्य होती है।' जब आप ईमानदारी से प्रभु की सेवा करते हैं, तो वह न केवल आपको आशीर्वाद देते हैं, बल्कि आपके बच्चों और आने वाली पीढियों को भी अपना आशीर्वाद देते हैं।

परमेश्वर अपने वफादार सेवकों के परिश्रम को याद करते हैं। वह जानते हैं कि आप अपनी हर प्रार्थना, सेवा के बीज और यीशु बुलाता है सेवकाई के लिए दिए गए दान के माध्यम से प्रभु का सम्मान कैसे करते हैं और वह बदले में आपको और आपकी पीढियों को सम्मान देने का वादा करते हैं। भजनहार ने खूबसूरती से लिखा है, 'यहोवा ने हम को स्मरण किया है; वह आशीष देगा; वह इस्राएल के घराने को आशीष देगा; वह हारून के घराने को आशीष देगा। 'क्या छोटे क्या बडे जितने यहोवा के डरवैये हैं, वह उन्हें आशीष देगा यहोवा तुम को और तुम्हारे लडकों को भी अधिक बढाता जाए! (भजन संहिता 115:12,14)। जी हाँ, चूँकि आप खराई से चलते हैं और पूरे दिल से प्रभु से प्रेम करते हैं, इसलिए उसका अनुग्रह आपके घराने पर बना रहेगा और उनकी सुरक्षा का हाथ आपके परिवार पर बना रहेगा। भजन संहिता 112:1-2 कहता है, 'धन्य है वह मनुष्य जो यहोवा का भय मानता है, और उसकी आज्ञाओं से अति प्रसन्न रहता है। उसका वंश देश में पराक्रमी होगा।' जैसे आप प्रभु का भय मानते और उसका आदर करते हैं, वैसे ही परमेश्वर आपकी पीढियों को धार्मिकता में स्थापित करेगा।

परमेश्वर की उपस्थिति से सम्मानित

हम 1 शमूएल 2:30 में देखते हैं कि परमेश्वर ने एली से कहा था: 'मैंने प्रतिज्ञा की थी कि तुम्हारे परिवार के सदस्य सदा मेरे सामने सेवा करेंगे... जो मेरा आदर करते हैं, मैं उनका आदर करूँगा...' हाँ, परमेश्वर आपको और

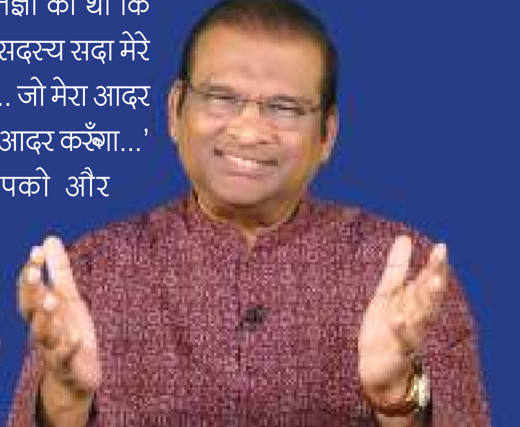

डॉ पॉल दिनाकरन - paul@jesuscalls.org

Pauldhinakaranofficial

आपकी पीढ़ियों को सदैव अपनी उपस्थिति में रखने का वादा करता है जब आप उसका आदर करते हैं। जब परमेश्वर आपका आदर करता है, तो वह आपकी देखभाल करने के तरीके से इसे दर्शाता है।

गतसमनी जाने से पहले यीशु के अपने शिष्यों के साथ होने के बारे में सोचें। यूहन्ना 13:3-5 वर्णन करता है कि कैसे, यह जानते हुए कि पिता ने उसे सारा अधिकार दिया है, यीशु ने अपना बाहरी वस्त्र उतार दिया, अपनी कमर पर एक तौलिया लपेटा, और अपने शिष्यों के पैर धोने लगे। कैसी विनम्रता और प्रेम! जब उसने उनके पैर, काँटों और उबड़-खाबड़ रास्तों से जख्मी, धीरे से धोए, तो वह उन्हें याद दिला रहा था, 'मैं तुम्हारे लिए इस कष्ट भरे मार्ग पर चल रहा हूँ।' उसने उन घायल पैरों को कोमलता से चूमा। वह जानता था कि वे पृथ्वी पर उसकी सेवकाई के दौरान उसके साथ चले थे और उसने उनकी देखभाल करके उन्हें सम्मानित किया। इसीलिए वही पैर सारी दुनिया में गए, और उनके माध्यम से, यीशु का राज्य पूरी पृथ्वी पर स्थापित हुआ। वही यीशु आज आपके साथ चल रहे हैं, कोमलता से आपके आँसुओं को धो रहे हैं और आपकी आत्मा को पुनर्जीवित कर रहे हैं। वह उन लोगों का सम्मान करते हैं जो उसकी सेवा करते हैं, उसकी आत्मा को तरोताजा करते हैं और उसकी शक्ति को नवीनीकृत करते हैं।

टेलीविजन पर प्रसारित एक लाइव प्रार्थना सत्र के दौरान, मुझे शेरोन नाम की एक छोटी लड़की का फोन आया। उसने अपनी प्रार्थना यह कहते हुए व्यक्त की, 'चाचा, मेरी माँ को स्तन कैंसर है। उनका अभी इलाज चल रहा है। कृपया उनके लिए प्रार्थना करें।' उस परिवार के लिए गहरी करुणा से भरकर, मैंने प्रार्थना की, 'प्रभु यीशु, अपनी बेटी को अभी स्पर्श करें। इस कैंसर का हर निशान पूरी तरह से गायब हो जाए। इसे इसके मूल से ही उखाड़ फेंकें। जब अगला परीक्षण किया जाए, तो इस बीमारी का कोई निशान न रहे!' प्रभु, जो अपने बच्चों की पुकार सुनते है, ने अपना उपचारक हाथ बढ़ाया था। कुछ ही देर बाद, परिवार ने खुशी के आँसुओं के साथ फोन किया। अगले परीक्षण में उनकी जाँच करने वाले डॉक्टर आश्चर्यचकित रह गए और उन्होंने कहा, 'कैंसर का कोई निशान नहीं है। सब कुछ बिल्कुल सामान्य लग रहा है।' यह 2020 की बात है, महामारी के बीच, जब हर घर में भय और अनिश्चितता व्याप्त थी। लेकिन मैगिमाई डॉस के परिवार, उनकी पत्नी गीता स्टारलेट और उनके बच्चों एस्तेर, इवेंजेलिन शेरोन और सैमूएल के लिए, प्रभु ने उनके शोक को नृत्य में बदल दिया। आज भी, बहन गीता परमेश्वर की कृपा से पूरी तरह स्वस्थ और सशक्त है। जब मै पीछे मुड़कर देखती हूँ, तो मै केवल उस प्रभु की स्तुति कर सकती हूँ जिसने यह चमत्कार किया। सचमुच, वह कल, आज और हमेशा एक सा है।

यदि आप प्रभु का भय मानेंगे और उनका आदर करेंगे, तो वह आपकी पीढ़ियों को धार्मिकता में स्थापित करेंगे

हम कितने अद्भुत परमेश्वर की सेवा करते हैं! वह उन लोगों का सम्मान करता है जो उस पर विश्वास करके उसका सम्मान करते हैं। चाहे आप किसी भी पीडा या संघर्ष का सामना करें, वही प्रभु जिन्होंने अपने शिष्यों के चरण धोए थे, आपके साथ रहेंगे, आपकी देखभाल करेंगे, आपको सांत्वना देंगे, तरोताजा करेंगे और आपको ऊपर उठाएँगे। उसका प्रेम कभी नहीं बदलता।

उसकी आत्मा के माध्यम से परमेश्वर की शक्ति से सम्मानित

यीशु ने यूहन्ना 14:15-17,21 में कहा, **'यदि तुम मुझसे प्रेम करते हो, तो मेरी आज्ञाओं को मानो। और मै पिता से विनती करूँगा, और वह तुम्हें एक और सहायक देगा, कि वह तुम्हारी सहायता करे और सर्वदा तुम्हारे साथ रहे सत्य का आत्मा। जो मुझसे प्रेम रखता है, उससे मेरा पिता प्रेम रखेगा, और मैं भी उससे प्रेम रखूँगा और अपने आप को उस पर प्रगट करूँगा।'**

मृतकों में से जी उठने के बाद, यीशु अपने शिष्यों के सामने प्रकट हुए, जो बंद दरवाजों के पीछे काँप रहे थे, भय और निराशा से भरे हुए। अचानक, यीशु उनके बीच आ खड़े हुए और कहा, 'तुम्हें शांति मिले!' फिर उन्होंने उन पर फूंक मारी और कहा, 'पवित्र आत्मा ग्रहण करो' (यूहन्ना 20:21-23)। उस फूंक से, उन्होंने भयभीत लोगों को साहसी गवाहों में बदल उसकी आत्मा ने उनके भय को विश्वास में, उनकी दुर्बलता को सामर्थ्य में, और उनके दुःख को आनंद में बदल दिया।

हम बाइबल में कुरनेलियुस की कहानी जानते हैं जिसका वर्णन प्रेरितों के काम 10 में किया गया है। परमेश्वर का एक दूत उसके सामने प्रकट हुआ और कहा, 'हे प्रभु क्या है उस ने उस से कहा, तेरी प्रार्थनाएं और तेरे दान स्मरण के लिये परमेश्वर के साम्हने पहुंचे हैं।' (प्रेरितों के काम 10:4) जब पतरस को

क्योंकि आप यीशु का आदर करते हैं, इसलिए वह अपनी जीवनदायी आत्मा आप में फूँकेंगे

कुरनेलियुस के घर लाया गया, तो परमेश्वर ने उन सभी पर अपनी पवित्र आत्मा उंडेलकर उसे और उसके परिवार को सम्मानित किया (प्रेरितों के काम 10:44)

प्रियजन, क्योंकि आप यीशु का सम्मान करते हैं, वह उसी जीवनदायी आत्मा को आप में फूंकना चाहता है। हो सकता है कि भय ने आपको सीमित कर दिया हो, या निराशा ने आपकी आवाज.को दबा दिया हो। लेकिन जब उसकी आत्मा आपको भर देगी, तो आप फिर से उठ खडे.होंगे। आप साहस के साथ बोलेंगे, अधिकार में चलेंगे, और सामर्थ्य के साथ उसके राज्य का निर्माण करेंगे। संसार आपके माध्यम से मसीह के प्रकाश को चमकते हुए देखेगा।

यह सत्य इरोड की बहन रूत सत्या के जीवन में जीवंत हो उठा। उन्होंने बताया, '2007 में, मुझे लगभग तीन साल तक सात दुष्टात्माओं ने सताया। मेरे पति ने मुझे मंदिरों में ले जाने के लिए खूब पैसे खर्च किए, लेकिन कुछ भी मदद नहीं मिली। मेरी ननद ने हमें बैतहसदा प्रार्थना केंद्र में होने वाली विशेष आशीर्वाद सभा के बारे में बताया। मै कमजोर और निराश थी और अपने पति की मदद से पैदल चलकर आई थी, लेकिन जैसे ही मैने उस पवित्र स्थान में प्रवेश किया, रास्ते में पडे.पवित्र शास्त्र ने मुझे मजबूत किया। वहाँ प्रार्थना करने वालों ने पूरे जोश से प्रार्थना की और कहा कि मै एक गवाही लेकर लौटूँगी। उसी क्षण, मुझे लगा जैसे मेरी आत्मा से एक भारी बोझ उतर गया हो। मैने अपने पति से कहा, 'आप मेरा हाथ छोड.सकते है। मै खुद चल सकती हूँ!' उस दिन से, मै पूरी तरह से आजाद हो गई हूँ। आज, मेरा परिवार उस प्रभु में आनन्दित है जिसने मुझे छुडाया।'

वही यीशु जिसने रूत को आजाद किया था, आज आपको भी छुडाने के लिए तैयार है। जब उसकी आत्मा आपको भर देगी, तो भय, बीमारी और उत्पीडन की हर जंज़ीर टूट जाएगी। उसकी शक्ति आपके हृदय और आपके घर को शांति, साहस और ईश्वरीय अधिकार से भर देगी।

परमेश्वर के प्रावधान से सम्मानित

'जवान सिंहों तो घटी होती और वे भूखे भी रह जाते हैं; परन्तु यहोवा के खोजियों को किसी भली वस्तु की घटी न होवेगी।' (भजन संहिता 34:10)

यूहन्ना 21:5-12 में, शिष्यों ने सारी रात परिश्रम किया, परन्तु सफलता नहीं मिली। तब यीशु प्रकट हुए और कहा, 'अपना जाल नाव के दाहिनी ओर डालो।' जब उन्होंने आज्ञा मानी, तो उन्हें 153 मछलियाँ मिलीं, जो एक चमत्कारी फसल थी! जब वे किनारे पर आए, तो यीशु ने उनके लिए मछली और रोटी पहले ही तैयार कर रखी थी। उद्धारकर्ता की देखभाल की कितनी कोमल छवि! प्रभु, जो हवाओं और लहरों को नियंत्रित करते हैं, आपकी रोजी रोटी भी तैयार करते हैं।

मैं आपको सारपत की विधवा की कहानी याद दिलाना चाहूँगा, जिसके पास एक भयंकर अकाल के दौरान मुट्ठी भर आटा और थोडा सा तेल बचा था, जो उसके और उसके बेटे के लिए आखिरी भोजन के लिए पर्याप्त था। फिर भी, जब भविष्यवक्ता एलिय्याह ने उसे पहले एक छोटी सी रोटी बनाने के लिए कहा और वादा किया कि परमेश्वर उसका आटा या तेल कभी खत्म नहीं होने देगा, तो उसने विश्वास करने और आज्ञा मानने का फैसला किया। परमेश्वर के वचन के प्रति उसके विश्वास और आदर ने उसे भोजन की अनंत आपूर्ति प्रदान की। दिन-प्रतिदिन, आटे का घडा और तेल की कुप्पी कभी खाली नहीं हुई। आज्ञाकारिता ने ईश्वरीय प्रावधान का द्वार खोल दिया।

हो सकता है कि आप प्रयास और संघर्ष कर रहे हों, फिर भी आपको बहुत कम फल मिल रहा हो। प्रभु आपसे कहते हैं, 'क्योंकि तुम मुझ पर विश्वास करते हो और मेरा सम्मान करते हो, इसलिए मैं तुम्हें दिखाऊँगा कि अपना जाल कहाँ डालना है। मैं तुम्हारे परिवार में अभी और तुम्हारी सभी पीढियों के लिए प्रावधान प्रवाहित करता रहूँगा।' जब आप उसके निर्देशों का पालन करते हैं, तो आपके प्रयास आपकी कल्पना से परे परिणाम देंगे क्योंकि उसका प्रावधान सांसारिक स्रोतों से नहीं, बल्कि उसके स्वर्गीय भंडार से प्रवाहित होता है।

कोयंबटूर की एक युवती बहन जेबा किरुबाई एस्तेर गवाही देती हैं, 'हमारा परिवार भारी कर्ज.में डूबा हुआ था। लेनदार रोज.आते थे, और हमें खाने के लिए भी संघर्ष करना पडता था। मै स्कूल में थी और अपने भविष्य को लेकर चिंतित थी। मै एक विशेष छात्र प्रार्थना सभा के लिए यीशु बुलाता है प्रार्थना

भवन गई। मैंने सच्चे मन से प्रार्थना की, और परमेश्वर की कृपा से, मैं अच्छे अंकों से अपनी परीक्षाएँ पास कर पाई। मेरे पिता को भी अच्छी नौकरी मिल गई। मै युवा सहभागी योजना में शामिल हो गई और प्रार्थना करती रही। प्रभु ने चमत्कारिक रूप से मेरी कॉलेज शिक्षा के लिए धन मुहैया कराया। अपनी डिग्री पूरी करने से पहले ही मुझे एक अच्छी नौकरी मिल गई, और मैंने अपनी डिग्री भी विशिष्टता के साथ पूरी की। आज, हम आर्थिक रूप से स्थिर है और जरूरत से ज्यादा धन्य है। परमेश्वर ने हमारे अपमान को सम्मान में बदल दिया!'

जिस प्रभु ने सारपत की विधवा और समुद्र तट पर शिष्यों को उनके परिश्रम का फल कई गुना बढाकर भोजन कराया, वह आज भी हमारी जरूरतें पूरी करता है। वह न केवल आपकी आर्थिक जरूरतों को पूरा करने में, बल्कि आपके दिल की गहरी इच्छाओं को भी पूरा करने में प्रसन्न होता है। जब आप उसके वचन का पालन करके उसका सम्मान करते हैं, तो अभाव बहुतायत में और संघर्ष आनंद में बदल जाता है।

परमेश्वर के सम्पूर्ण आशीर्वाद से सम्मानित

'उसने जो मुझ से स्नेह किया है, इसलिये मै उसको छुडाऊंगा; मै उसको ऊंचे स्थान पर रखूंगा, क्योंकि उसने मेरे नाम को जान लिया है। जब वह मुझ को पुकारे, तब मै उसकी सुनूंगा; संकट में मै उसके संग रहूंगा, मै उसको बचा कर उसकी महिमा बढाऊंगा। मै उसको दीर्घायु से तृप्त करूंगा, और अपने किए हुए उद्धार का दर्शन दिखाऊंगा।'

(भजन 91:14-16)

जब आप प्रेम और सेवा से परमेश्वर का सम्मान करते हैं, तो वह आपको आपकी सभी परेशानियों से मुक्ति दिलाएगा, आपकी रक्षा करेगा और आपकी कल्पना से परे आशीर्वादों से आपको सम्मानित करेगा।

जब यीशु स्वर्ग जाने के लिए तैयार हुए, तो लूका 24:50 कहता है कि उन्होंने अपने हाथ उठाए और अपने शिष्यों को आशीर्वाद दिया। यह एक विदाई नहीं, बल्कि ईश्वरीय कृपा की घोषणा थी जो आज भी हर विश्वासी पर बनी रहती है। जब प्रभु आपको आशीर्वाद देते हैं, तो कोई भी परिस्थिति उसे पलट नहीं सकती।

परमेश्वर के आशीर्वाद का एक सुंदर उदाहरण आंध्र प्रदेश की बहन रामनम्मा से मिलता है। उनके बेटे राजेश और उनकी पत्नी लक्ष्मी चौदह वर्षों तक निःसंतान रहे। उनके हृदय दुःखी थे, और उनके रिश्तेदार उनका मजाक उडाते थे। उन्होंने हर संभव उपचार किया, लेकिन कुछ भी काम नहीं आया। अंततः, वे बैतहसदा प्रार्थना केंद्र आए और परमेश्वर के सामने अपने आँसू बहाए। प्रार्थना मध्यस्थों ने सच्चे मन से प्रार्थना की, और जल्द ही, प्रभु ने एक अविश्वसनीय चमत्कार किया। लक्ष्मी गर्भवती हुई और उसने तीन बच्चों को जन्म दिया! परिवार ने उनका नाम प्रभु देवा, प्रभु चैतन्य और प्रभु शरण रखा। परमेश्वर के प्रति अपनी कृतज्ञता के प्रतीक के रूप में, उन्होंने अपने बच्चों के जन्मदिन के दिन यीशु बुलाता है टीवी कार्यक्रम को प्रायोजित किया। आज, उनका घर हँसी और खुशी से भर गया है। परमेश्वर ने उनके दुःख को तिगुणे आशीर्वाद में बदल दिया!

प्रिय मित्र, यह आपके स्वर्गीय पिता का हृदय है। वह अपने बच्चों को भरपूर आशीर्वाद देने में प्रसन्न होते हैं। जब आप पूरे मन से उसकी सेवा करते हैं, तो वह आपको ऊँचा उठाता है, आपके परिवार की रक्षा करता है, और आपकी पीढियों का सम्मान करता है। वह आपकी देखभाल करेगा, अपनी आत्मा आपके हृदय में फूँकेगा, आपकी हर जरूरत पूरी करेगा, और आपको असीम आशीष देगा। इसलिए, साहसपूर्वक आगे बढें। जिस प्रभु ने अब्राहम और उसकी पीढियों का सम्मान किया, वह आपका भी सम्मान करेगा। आपका जीवन उसकी विश्वासयोग्यता का प्रमाण बनेगा। उसका वादा सदा सत्य है, 'मेरा पिता उसका सम्मान करेगा जो मेरी सेवा करता है' (यूहन्ना 12:26)। आप और आपकी पीढियाँ परमेश्वर के आशीर्वाद से सम्मानित हों।

प्रार्थना: प्रेमी प्रभु यीशु, अपने बच्चों के प्रति एक विश्वासयोग्य और प्रेममय पिता होने के लिए धन्यवाद। प्रभु, आपने उन लोगों का सम्मान करने का वादा किया है जो आपकी सेवा करते है, इसलिए अपनी आशीषों को उनके जीवन में, उनके बच्चों और आने वाली पीढ़ियों के जीवन में प्रवाहित होने दें। अपनी दया से उनके चरण धोएँ, उन्हें अपने प्रेम से शुद्ध करें, और उन्हें अपने हृदय के निकट रखें। उन्हें अपनी पवित्र आत्मा की शक्ति से भरें, उनकी हर जरूरत पूरी करें, और उन्हें बहुतों के लिए आशीर्वाद का माध्यम बनाएँ। उनका परिवार सदा आपके नाम की महिमा करे। यीशु के शक्तिशाली नाम में, मै उनके लिए प्रार्थना करता हूँ। आमीन।

24X7 प्रार्थनाओं के लिए यीशु ने प्रार्थना टॉवर पर फोन किया:

8546 999 000 (सभी भाषाओं में)

ईमेल: *paul@jesuscalls.org*

प्रार्थना भवन पर जाएँ: सुबह 8 बजे से शाम 8 बजे के बीच कभी भी (प्रतिदिन)

स्तुति से भरा हृदय

''मैं हर समय यहोवा को धन्य कहा करूँगा; उसकी स्तुति निरन्तर मेरे मुख से होती रहेगी।'' (भजन संहिता 34:1)

मसीह में प्रियजन,

जैसे ही हम एक नए वर्ष की दहलीज पर खडे.होते हैं, बीते दिनों को देखते हैं, विजय और परीक्षाएँ दोनों देखना आसान होता है। लेकिन इन सबके बीच, प्रभु हमसे एक प्रतिक्रिया चाहते हैं: स्तुति।

राजा दाऊद ने अपने सबसे महीन क्षणों में से एक में घोषणा की थी कि वह हर समय प्रभु को धन्य कहेगा। न केवल उत्सव के दिनों में, बल्कि हानि, अकेलेपन और पीडा के समय में भी। उसकी यह घोषणा आदर्श परिस्थितियों का प्रतिबिंब नहीं थी, बल्कि कृतज्ञता से भरे एक अटूट हृदय का प्रतिबिंब थी। उसी तरह, हमें धन्यवाद की जीवनशैली अपनाने के लिए कहा जाता है, एक मौसमी अभ्यास के रूप में नहीं, बल्कि प्रभु को एक दैनिक भेंट के रूप में।

मेरे जीवन में एक ऐसा समय था जब दुःख ने मेरे हृदय को ढक लिया था। मैंने अपने प्यारे माता-पिता को खो दिया था, और दुःख मेरी आत्मा में एक घने कोहरे की तरह छा गया था। मैं अक्सर कहती थी, 'वे चले गए... मेरा न कोई पिता है, न कोई माँ, न कोई भाई,' और मेरे दिन आँसुओं से भरे रहते थे। खुशियाँ दूर, यहाँ तक कि नामुमकिन सी लगती थीं। लेकिन एक दिन, परमेश्वर की दिव्य कृपा से, मेरे पति ने कुछ ऐसा कहा जिसने सब कुछ बदल दिया। उन्होंने मेरी तरफ देखा और कहा, 'जो तुमने खो दिया है, उसका शोक

EvangelinePaulDhinakaran | evangeline@jesuscalls.org

क्यों मनाती रहती हो? जो तुम्हारे पास अभी भी है, उसके लिए प्रभु का धन्यवाद करो। अपने आस-पास के दोस्तों, आशीषों, प्रेम को देखो। उन्हें एक-एक करके गिनो और धन्यवाद दो।' ये शब्द मेरे मन को छू गए। उसी दिन, मैंने अपना ध्यान उन चीजों से हटाकर, जो मेरे पास थीं, उन पर केंद्रित करने का फैसला किया। मैं हर छोटी-छोटी आशीष के लिए, जानबूझकर, जोर-जोर से प्रभु का धन्यवाद करने लगी। जैसे ही मैंने ऐसा किया, दुःख ने शक्ति को जन्म दिया। शोक की जगह आनन्द ने ले ली।

सुसमाचारों में एक खूबसूरत क्षण है जब यीशु एक गरीब विधवा को दानपेटी में दो छोटे सिक्के डालते हुए देखते हैं। दूसरों ने बहुत ज्यादा दिया, लेकिन यीशु कहते हैं, 'उसने उन सबसे ज्यादा दिया।' क्यों? क्योंकि उसने अपना सब कुछ दे दिया था (लूका 21:1-4)

प्रशंसा भी लगभग वैसी ही है। आपको लग सकता है कि आपके पास देने के लिए बहुत कम है। आप कठिनाई या थकान से गुजर रहे होंगे। लेकिन जब आप चाहे आँसुओं के माध्यम से ही क्यों न हो, अपनी प्रशंसा अर्पित करते हैं तो यह एक ऐसी सुगंध होती है जो परमेश्वर के हृदय को प्रसन्न करती है। वह इसे इस आधार पर ग्रहण नहीं करते कि आपको लगता है कि आपके पास कितना 'अधिक' है, बल्कि उस हृदय के आधार पर ग्रहण करते हैं जिससे यह प्रवाहित होती है।

निरंतर धन्यवाद के इस जीवन का उदाहरण मेरे ससुर स्वर्गीय भाई डी.जी.एस. दिनाकरन थे, जो परमेश्वर के एक प्रिय सेवक थे। अनेक शारीरिक व्याधियों, कष्टों और व्यक्तिगत त्यागों को सहने के बावजूद, उन्होंने प्रत्येक दिन प्रभु के लिए जीने का चुनाव किया। उन्होंने अपनी प्रशंसा को कमजोरी या निराशा के सामने नहीं झुकने दिया। चाहे वे 'स्वर्ग में अंतर्दृष्टि' जैसी पुस्तकें लिख रहे हों, प्रचार करने के लिए दुनिया भर की यात्रा कर रहे हों, या कष्टों के बीच सेवा कर रहे हों, उन्होंने स्वयं को पूरी तरह से परमेश्वर की बुलाहट के लिए समर्पित कर दिया। अपने अंतिम दिनों में भी, उन्होंने आँसुओं के साथ प्रचार किया और पीडा के बीच प्रशंसा की। उनका जीवन हमें याद दिलाता है कि सच्ची प्रशंसा उत्तम परिस्थितियों का इंतजार नहीं करती। यह उस हृदय से उत्पन्न होती है जो उस परमेश्वर को जानता है जो सभी परिस्थितियों को धारण करता है।

> "आपको आनंद का दिखावा करने की जरूरत नही है; आपको बस स्तुति में अपना मुँह खोलने की जरूरत है। प्रभु का आनंद बदले में आपको भर देगा

प्रिय, शायद आप भी अधूरी आशाओं या चुपचाप दुखों का बोझ महसूस करते हों। हो सकता है आपने कहा हो, 'मेरे पास वो आशीर्वाद नहीं हैं जो दूसरों के पास हैं,' और आपका दिल बंजर सा लगता हो। लेकिन मैं आपको धीरे से प्रोत्साहित करती हूँ: फिर से देखें। अदृश्य दया को देखें। अपने फेफडों में साँस, खडे.होने की शक्ति, आपसे प्रेम करने वाले लोग, और उस उद्धारकर्ता जैसे शांत आशीर्वादों को खोजें जो आपको कभी नहीं छोडते।

हर बार जब कोई मेरे पास आता है और कहता है, 'मेरे पास वो नहीं है जो दूसरों के पास है,' तो मेरा दिल धीरे से फुसफुसाता है, 'प्रभु, आपने मुझे वही आशीर्वाद दिए हैं। धन्यवाद प्रभु।' हर बार जब मैं उसका धन्यवाद करती हूँ, तो खुशी फिर से उमड.पडती है।

आपको खुशी का दिखावा करने की जरूरत नहीं है; आपको बस स्तुति में अपना मुँह खोलने की जरूरत है। बदले में प्रभु का आनंद आपको भर देगा। यही उसका वादा है। परिवार के एक सदस्य के हृदय में कृतज्ञता का भाव अक्सर दूसरों को शिकायतों से कृतज्ञता की ओर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित करता है, जिससे पूरे परिवार का कायाकल्प हो जाता है। जब घर में प्रशंसा एक आदत बन जाती है, तो यह शांति, आनंद और एकता का माहौल बनाती है जो पारिवारिक बंधनों को मजबूत करती है।

इस साल के खत्म होने के साथ, आइए हम नए साल में शिकायतें न लेकर जाएँ। इसके बजाय, निरंतर स्तुति अर्पित करें। जैसा कि भजन संहिता 22:3 में कहा गया है, 'प्रभु अपनी प्रजा की स्तुति केबीच में विराजमान है।' जब आप उसकी स्तुति करते हैं, तो उसकी उपस्थिति आपको घेर लेती है, और उसका आनंद आपके हृदय को भर देता है। इसलिए, अपनी आँखें ऊपर उठाएँ, परमेश्वर के प्यारे बच्चों। सुबह उसकी स्तुति करें, शाम को उसका धन्यवाद करें। एक साल के खत्म होने और दूसरे के शुरू होने पर, उसकी भलाई आपके होठों का गीत बन जाए। आपका धन्यवाद-अर्पण स्वर्ग तक पहुँचने वाली सबसे मीठी सुगंध होगी। आइए हम सब मिलकर प्रभु की महिमा करें, क्योंकि उसने हमारे साथ भलाई की है। परमेश्वर का आशीर्वाद आपके जीवन में भरपूर रहे।

क्या आपका परिवार किसी चमत्कार की चाहत रखता है? काम की व्यस्तताओं, ज़िंदगी के दबावों और रातों को जगाए रखने वाली चिंताओं के बीच, क्या आप शांत पलों में परमेश्वर की शांति से भरे घर का सपना देखते हैं? एक ऐसा परिवार जो प्रेम में बंधा हो, प्रार्थना में बंधा हो और परमेश्वर की कृपा में चल रहा हो?

यह सिर्फ़ एक सपना नहीं है। यह आपकी हकीकत हो सकता है।

आराधना से मिलिए: बहुतायत की आशीष

हमारी शादी के बाद, परमेश्वर ने मुझे और मेरे पति को एक बेटे का आशीर्वाद दिया। लेकिन कुछ ही समय बाद, मेरे पति का आगरा तबादला हो गया और वे केवल सप्ताहांत में ही लखनऊ आ पाते थे। एक छोटे बच्चे की देखभाल और पीएचडी की पढाई के साथ, ज़िंदगी बोझिल हो गई थी। हालाँकि मेरे पिताजी कभी-कभी मदद करते थे, लेकिन मै अक्सर बोझिल और अकेला महसूस करती थी। उस समय, मैंने अपने परिवार को परिवार आशीष योजना में नामांकित किया। चमत्कारिक रूप से, परमेश्वर ने मेरे परिवार के लिए की गई हर प्रार्थना का उत्तर दिया और मेरे पति को लखनऊ में नौकरी मिल गई और वे घर वापस आ गए। उसकी कृपा से, मैंने अपनी पीएचडी पूरी की और पोस्टडॉक्टरल अध्ययन के लिए फेलोशिप भी प्राप्त की। पाँच साल बाद, हम एक और बच्चे के लिए तरस रहे थे, लेकिन डॉक्टरों ने कहा कि मेरे अंडों की संख्या बहुत कम है और अगर मै दो महीने के भीतर गर्भधारण नहीं करती, तो आईवीएफ की सलाह दी। मेरा दिल बैठ गया। लेकिन एक परिवार आशीष प्रार्थना के दौरान, परमेश्वर ने चमत्कार किया। मै स्वाभाविक रूप से गर्भवती हुई! मेरा बेटा एक बहन के लिए प्रार्थना कर रहा था, और प्रभु ने हमें एक सुंदर बच्ची का आशीर्वाद देकर उत्तर दिया। आज, हम एक पूर्ण और धन्य परिवार के रूप में आनंदित है। परमेश्वर की जय हो!

– आराधना रोहित, लखनऊ

आपके परिवार की बदलाव की कहानी प्रतीक्षा कर रही है

जिस प्रकार परमेश्वर ने नूह को याद किया और उसकी आज्ञाकारिता के कारण उसका पूरा परिवार बच गया और धन्य हो गया, उसी प्रकार वह आपके परिवार को अपनी सुरक्षा और प्रावधान से ढकने के लिए प्रतीक्षा कर रहा है। अनिश्चितता की इस दुनिया में, आपके परिवार को अपने संघर्षो का सामना अकेले नहीं करना पडेग़ा। यीशु बुलाता है की परिवार आशीष योजना एक पवित्र वाचा है।

परिवार आशीष योजना

प्रार्थना में परिवारों को घेर लिया गया है

अपने घर को सुरक्षित घेरे में रखने के आह्वान का उत्तर दें

एक माता-पिता, जीवनसाथी या अभिभावक के रूप में, यह आपके लिए आशीर्वाद की विरासत को सुरक्षित करने का अवसर है। नामांकन करने पर, आपको प्राप्त होगा:

- ❊ **दैनिक प्रार्थना के घेरे में:** आपके परिवार को हर दिन प्रार्थना में प्रोत्साहित किया जाएगा।
- ❊ **वर्षगांठ का आशीष:** अपनी शादी की सालगिरह पर एक विशेष कॉल प्राप्त करें
- ❊ **प्रतिज्ञा प्रमाणपत्र:** जब आपका दान रु 5,000 तक पहुँच जाएगा, तो आपको परमेश्वर के वचन के साथ एक प्रमाणपत्र प्राप्त होगा।

आज ही अपने परिवार का नामांकन करें। अपने चमत्कार में कदम रखें।

प्रार्थना के इस घेरे के बिना एक भी दिन न गुजरने दें। अपनी मासिक प्रतिज्ञा चुनें और अपने परिवार की संघर्ष से गवाही तक की यात्रा शुरूकरें।

❊ रु 300 प्रति माह ❊ रु 500 प्रति माह ❊ रु 1,000 प्रति माह ❊ रु 5,000 प्रति माह

अधिक जानकारी और नामांकन के लिए, देखें: www.jesuscalls.org/donate/fbp

या 04423456677 पर कॉल करें (सुबह 8 बजे से शाम 8 बजे तक)

अभी नामांकन करें और देखें कि कैसे परमेश्वर आपके संघर्षो को आपकी सबसे बडी जीत में बदल देता है।

अपना दान भेजने के आसान तरीकों को जानने के लिए कृपया पृष्ठ 19 देखें परिवार आशीष योजना में दान दें

DONATE TO FBP

बेतहसदा प्रार्थना केंद्र की 32 वीं वर्षगांठ

बेतहसदा प्रार्थना केंद्र की 32 वीं वर्षगांठ भारत के विभिन्न राज्यों से आए सैकडों लोगों द्वारा मनाई गई, जहाँ डॉ पॉल दिनाकरन और भाई सैमूएल दिनाकरन ने भविष्यसूचक घोषणाएँ कीं और बेतहसदा के आध्यात्मिक दर्शन को साझा किया। यशायाह 66 से प्रेरणा लेते हुए, डॉ पॉल दिनाकरन ने घोषणा की कि परमेश्वर की शांति बेथेस्डा पर नदी की तरह बहेगी, और परिवारों, संस्थाओं और राष्ट्र के लिए चंगाई, समृद्धि और दिव्य सांत्वना लाएगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि परमेश्वर की महिमा उनके चुने हुए लोगों के माध्यम से प्रकट होगी, और प्रत्येक विश्वासी और सेवकाई सहयोगी को उनके राज्य के लिए चमकने के लिए पवित्र करेगी। इस संदेश ने पुनर्स्थापना, सफलता और परमेश्वर की शक्ति के प्रत्यक्ष प्रकटीकरण के वादों से हृदय को झकझोर दिया।

डॉ पॉल दिनाकरन और भाई सैमूएल दिनाकरन ने प्रार्थनापूर्वक दो क्षेत्रों में परमेश्वर के कार्य का शुभारंभ किया। एक है बेतहसदा प्रार्थना नगर परियोजना, जिसमें यीशु के चमत्कारों, परमेश्वर के सेवकों के जीवन, 24 घंटे की आराधना, 24 घंटे प्रार्थना, रिट्रीट सेंटर और बहुत कुछ प्रदर्शित किया जाएगा। दूसरा शुभारंभ, प्रेरितों के काम 2:17 और हाग्गै 2:9 से प्रेरित होकर, भविष्यवाणी करने के लिए बेटे और बेटियों को उठाने में परमेश्वर के कार्य का है। भाई सैमूएल दिनाकरन ने घोषणा की कि परमेश्वर भविष्यद्वक्ताओं, मध्यस्थों और युवाओं को खडा कर रहे हैं जो पवित्र आत्मा के वरदानों में कार्य करेंगे, प्रार्थना, आराधना, भविष्यवाणी और प्रचार करेंगे, पवित्र आत्मा के भविष्यसूचक अभिषेक के नेतृत्व में लोगों तक परमेश्वर के चमत्कार और चंगाई की शक्ति लाएंगे। यह पुष्टि की गई कि परमेश्वर के इस कार्य के माध्यम से, यह स्थान राष्ट्रों के लिए एक प्रकाशस्तंभ बन जाएगा, जो राजाओं और लोगों को परमेश्वर के चमत्कारों के गवाहियाँ बनने के लिए आकर्षित करेगा।

यह वर्षगांठ सभा न केवल अतीत की आशीषों का प्रतिबिंब थी, बल्कि आध्यात्मिक परिवर्तन और वैश्विक प्रभाव से भरे भविष्य के लिए एक प्रक्षेपण मंच भी थी।

सेवकाई में मेरे प्रिय सहभागी,

जैसे-जैसे हम विश्वास में चलते हैं और परमेश्वर के दिव्य मिशन में साथ मिलकर सेवा करते हैं, आइए हम लूका 1:35 में दिए गए इस शानदार प्रतिज्ञा को याद करें, 'पवित्र आत्मा तुम पर उतरेगा, और परमप्रधान की सामर्थ्य तुम पर छाया करेगी।' जिस प्रकार परमेश्वर की आत्मा ने मरियम को अपना दिव्य उद्देश्य पूरा करने के लिए सशक्त बनाया, उसी प्रकार वही पवित्र आत्मा हमें भी उन सभी कार्यों को पूरा करने के लिए सशक्त और अभिषिक्त करती है जिनके लिए परमेश्वर ने हमें बुलाया है।

प्रिय सहभागी, आपकी विश्वासयोग्य प्रार्थनाएँ, प्रेम और समर्थन आपके माध्यम से कार्य कर रही परमेश्वर की उपस्थिति का एक शक्तिशाली प्रमाण हैं। आपके द्वारा बोया गया प्रत्येक बीज, आपके द्वारा किया गया प्रत्येक क्षण, और आपके द्वारा किया गया प्रत्येक दयालु कार्य पवित्र आत्मा की शक्ति से भरा होता है, जो अनगिनत जीवनों में आशा और परिवर्तन लाता है। आज इस बात से प्रोत्साहित हों कि जिस परमेश्वर ने अपनी शक्ति से मरियम पर छाया डाली थी, वही परमेश्वर अपनी कृपा, मार्गदर्शन और शक्ति से आप पर छाया करते रहेंगे। उनकी उपस्थिति आपके जीवन को नए सिरे से भर दे, आपके दृष्टिकोण को नवीनीकृत करे, और आपके माध्यम से उसकी प्रतिज्ञाओं को पूरा करे। इस पवित्र आह्वान में हमारे साथ खडे होने के लिए धन्यवाद। आइए, हम सब मिलकर, आत्मा से शक्ति पाकर, आगे बढ़ें और अपनी पीढी में परमेश्वर की महिमा को प्रकट होते देखें।

अपने दिल की गहराई से, मैं बोलता हूँ...

स्तुति रिपोर्ट

मैं आपके साथ साझा करना चाहता हूँ कि पिछले महीने परमेश्वर ने इस सेवा के माध्यम से क्या किया है ताकि हम सब मिलकर उसके नाम की महिमा कर सकें।

- मैं इस सेवा पर परमेश्वर के शक्तिशाली हाथ के लिए और उन अनगिनत जीवनों के लिए परमेश्वर की स्तुति करता हूँ जिन्हें वह प्रार्थना और प्रचार के माध्यम से निरंतर स्पर्श करते रहते हैं। प्रार्थना भवनों में, 1,36,020 से अधिक आगंतुकों ने मध्यस्थता की शक्ति का अनुभव किया, जबकि 4,02,833 कॉल करने वालों ने टेलीफोन प्रार्थना भवनों के माध्यम से और 12,621 कॉल करने वालों ने डायल-ए-प्रेयर सेवा के माध्यम से सांत्वना और चमत्कार प्राप्त किए। सोशल मीडिया के माध्यम से, 4,70,441 नए आगंतुकों तक पहुँचा गया, और ई-पत्रिकाओं ने 1.5 लाख पाठकों तक सेवा पहुँचाई। 23,070 से अधिक पत्रों और 31,014 ईमेल का उत्तर परमेश्वर के प्रेम और प्रतिज्ञा के वचनों के साथ प्रार्थनापूर्वक दिया गया। प्रभु ने 62 आउटरीच सभाओं के माध्यम से भी प्रभावशाली ढंग से कार्य किया, 2,125 लोगों को आशीर्वाद दिया, और साप्ताहिक उपवास प्रार्थनाओं के दौरान, 19,004 व्यक्तियों को भोजन प्रदान किया गया। द फैमिली सीरीज के अंतर्गत हाल ही में शुरूकिए गए कार्यक्रम 'चिल्ड्रन आर अ ब्लेसिंग ('बच्चे एक आशीर्वाद हैं) एक आशीष है, उसको 15 लाख से ज्यादा बार देखा गया है, और हमें अनगिनत गवाहियाँ मिली हैं कि इसने लोगों को कैसे आशीर्वाद दिया है। सचमुच, आपके सहयोग और प्रार्थनाओं से परमेश्वर का नाम महिमावान होता है क्योंकि इससे जुडी आत्माओं की संख्या बढती जा रही है।
- 10 अक्टूबर, 2025 को, हमने बेतहसदा केंद्र की 32 वीं वर्षगांठ बडे आध्यात्मिक उत्साह के साथ मनाई, जिसमें पूरे भारत से सैकडों उपस्थित लोगों का स्वागत किया गया। प्रभु ने मुझे यशायाह 66 से एक भविष्यसूचक वचन दिया, जिसमें घोषणा की गई थी कि उनकी शांति, महिमा और सांत्वना बेतहसदा पर प्रवाहित होगी और परिवारों और राष्ट्रों को रूपांतरित करेगी, जिसे मैंने परमेश्वर की महिमा के लिए सभा में साझा किया। मेरे बेटे, सैमूएल ने बेतहसदा के भविष्य के लिए एक शक्तिशाली दर्शन साझा किया, और हमने मिलकर प्रत्येक उपस्थित व्यक्ति के लिए व्यक्तिगत रूप से प्रार्थना की, आशीषें प्रदान कीं और बेतहसदा को पुनरुत्थान और चौबीसों घंटे आराधना के केंद्र के रूप में स्थापित किया।

❊ उसी दिन, मेरी माँ, बहन स्टेल्ला दिनाकरन ने चेन्नई में स्थित पेरिस के यीशु बुलाता है प्रार्थना भवन में सेवा की, उस दिन की स्मृति में जब मेरे पिता को प्रभु का अभिषेक प्राप्त हुआ था। लगभग 1,000 लोग परमेश्वर की आत्मा की खोज के लिए एकत्रित हुए, जब उन्होंने लैव्यव्यवस्था 26:11 से वचन साझा किया, और विश्वासियों को प्रोत्साहित किया कि परमेश्वर अपने अभिषेक के माध्यम से उनके बीच निवास करेंगे। उन्होंने परिवारों के लिए करुणा और आशीष से भर जाने की प्रार्थना की, जबकि देश भर के सभी 104 प्रार्थना भवनों में एक साथ अभिषेक सभाएँ आयोजित की गई, जिससे प्रभु के नाम की महिमा हुई।

> 'बच्चे एक आशीर्वाद है,' द फैमिली सीरीज के अंतर्गत एक नया लॉन्च किया गया कार्यक्रम, सभी प्लेटफार्मों पर 1.5 मिलियन व्यूज को पार कर चुका है और लोगों के जीवन पर गहरा प्रभाव डाल रहा है।

प्रार्थना निवेदन

दिसंबर में, हमारा लक्ष्य अभूतपूर्व तरीके से लोगों के जीवन को छूना है। प्रार्थना भवनों के माध्यम से 2,50,000 लोगों तक, टेलीफोन प्रार्थना भवनों के माध्यम से 10,00,000 कॉल करने वालों तक, टीवी और सोशल मीडिया के माध्यम से 2 करोड़.लोगों तक, पत्रों और ईमेल के माध्यम से 1,00,000 लोगों तक, और पत्रिकाओं के माध्यम से 2 लाख घरों तक पहुँचना है। कृपया अपनी प्रार्थनाओं में इन प्रयासों को बनाए रखें, ताकि हर प्रयास भरपूर फल दे और परमेश्वर की महिमा के लिए अनगिनत आत्माओं का रूपांतरण करे।

फैमिली चैनल में नए कार्यक्रम

'उसी प्रकार मेरा वचन भी है जो मेरे मुख से निकलता है: वह व्यर्थ न लौटेगा, परन्तु मेरी इच्छा पूरी करेगा और जिस उद्देश्य से मैंने उसे भेजा है उसे पूरा करेगा।'

(यशायाह 55:11)

मैं फैमिली चैनल सभी उम्र के दर्शकों को प्रेरित, सुसज्जित और उत्साहित करने के लिए डिजाइन किए गए विशेष नए कार्यक्रमों की एक श्रृंखला की घोषणा करते हुए उत्साहित हूँ।

लघु फ़िल्में – विश्वास पर आधारित कहानियाँ नए एपिसोड और बाइबल प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के साथ लौट रही है।

एनिमेटेड कार्टून कहानियाँ – बच्चों के लिए मजेद़ार और रोचक बाइबल-आधारित सामग्री।

कुट्टीज़ विद जीसस – एक आनंददायक कार्यक्रम जो बच्चों को यीशु के प्रति विश्वास और मित्रता बढाने में मदद करता है।

बाइबल में महिलाएँ – बाइबल की महिलाओं की प्रभावशाली कहानियों और उनके स्थायी प्रभाव के बारे में जानें।

बहन इवेंजेलिन के साथ प्रार्थना का समय – परमेश्वर के प्रतिज्ञाओं से परिवारों का उत्थान करने वाली हार्दिक प्रार्थनाएँ

कार्थरिन सेयाल – परमेश्वर के महान कार्यो का प्रदर्शन, अब हिंदी में भी उपलब्ध है

बहन इवेंजेलिन के साथ बाइबल अध्ययन – मसीह के साथ आपके जीवन को गहरा करने के लिए व्यवस्थित शिक्षण

मै क्या करूँ? – एक प्रश्नोत्तर सत्र – वास्तविक जीवन की चुनौतियों का सामना बाइबल के ज्ञान से करें

आप अकेले नहीं है – रोजम़र्रा के संघर्षो के लिए प्रार्थना-आधारित सांत्वना और आशा।

सैमूएल दिनाकरन के साथ पॉडकास्ट – नेतृत्व, करियर और विश्वास पर ज्ञानवर्धक बातचीत

उचित समय पर एक वचन – चंगाई, मुक्ति और सफलता के भविष्यसूचक संदेश

हर दिल को छूने वाली आध्यात्मिक रूप से समृद्ध सामग्री के लिए फैमिली चैनल देखें

इज़राइल प्रार्थना भवन से दुनिया के लिए प्रार्थना की तुरही बजाते हुए

'...सभी जातियों के लिए प्रार्थना का घर।'

(यशायाह 56:7)

इजराइल प्रार्थना भवन एक दीप्तिमान प्रकाश स्तंभ की तरह खडा है, जहाँ दुनिया के राष्ट्रों के लिए दिन-रात भविष्यसूचक मध्यस्थता उठती रहती है। पिछले एक साल में, एक दर्जन से ज्यादा देशों के विश्वासियों ने इस पवित्र स्थान का दौरा किया है, दिव्य प्रकाशनों प्राप्त किए हैं और परमेश्वर की भविष्यसूचक आवाज.को अपने वतन वापस ले गए हैं। वे उसकी शक्ति के साक्षी बनकर लौटते हैं, और जहाँ कहीं भी जाते हैं, वहाँ पुनरुत्थान और परिवर्तन की ज्वाला प्रज्वलित करते हैं। इन कठिन समयों में, आइए हम राष्ट्रों को परमेश्वर के सिंहासन के सामने उठाते रहें। यदि प्रभु आपके हृदय को इस भविष्यसूचक आंदोलन में शामिल होने के लिए प्रेरित करते हैं, तो आपका इजराइल प्रार्थना भवन में आने और राष्ट्रों के लिए खडे.होने का स्वागत है। info@israelprayertower.org पर संपर्क करें।

परिवार आशीष योजना के माध्यम से घर पर चमत्कार

'यदि यहोवा घर न बनाए, तो उसके बनाने वालों का परिश्रम व्यर्थ है।' (भजन संहिता 127:1)

इस योजना में नामांकन कराकर, कोयंबटूर की श्रीमती अनीता ने अपने पति की नौकरी स्थायी होते और उनके जीवन में शराब की लत से पूर्ण मुक्ति देखी, जिससे उनके घर में खुशी और सद्भाव लौट आया। आपका परिवार भी परमेश्वर की अनंत आशीषों का आनंद ले सकता है।

'यीशु बुलाता है परिवार आशीष योजना' के माध्यम से, जो प्रार्थना भवनों में समर्पित प्रार्थना मध्यस्थों द्वारा की जाने वाली दैनिक प्रार्थनाओं के अंतर्गत प्रत्येक परिवार को कवर करता है, अनगिनत परिवारों ने अपने घरों में परमेश्वर की चमत्कारी शक्ति और स्थायी शांति का अनुभव किया है। जब आप परिवार आशीष योजना में नामांकन करते हैं, तो आप अपने परिवार को प्रार्थना और ईश्वरीय कृपा की निरंतर धारा से जोडते हैं। आज ही जुडें. और परमेश्वर की उपस्थिति को अपने घर को आशीर्वाद, सफलताओं और अकल्पनीय शांति से भर दें। योजना के बारे में अधिक जानने के लिए पृष्ठ 10 देखें।

सीशा के माध्यम से प्रशिक्षण से लेकर कमाई तक

'मैं तुमसे सच कहता हूँ, जो कुछ तुमने इनमें से छोटे से छोटे के लिए किया... तुमने मेरे लिए किया।' (मत्ती 25:40)

कॉलेज पूरा करने के बाद, कवलकिनारूके पी.ए. रैग्लैंड को सीमित उद्योग कौशल के कारण नौकरी पाने में कठिनाई का सामना करना पडा। चेन्नई में सीशा के टैली ईआरपी प्रशिक्षण के माध्यम से, उन्होंने लेखांकन, माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस और डिजिटल कौशल हासिल किए। सीशा के प्लेसमेंट समर्थन से, वह अब एक लेखा सहायक के रूप में कार्यरत हैं और प्रति माह रु 15,000 कमा रहे हैं।

यह उन तरीकों में से एक है जिनसे सीशा अनगिनत सामाजिक सेवाओं के माध्यम से जीवन बदल रहा है जो शिक्षा, कौशल प्रशिक्षण, स्वास्थ्य सेवा और करुणा के माध्यम से वंचितों को सशक्त बनाती हैं। हर साल, खासकर त्योहारों के मौसम में, हाशिए पर पडे.समुदायों के हजारों बच्चों को सीशा की 'दान का आनंद' पहल के जरिए नए कपडे.मिलते हैं। आइए, पिछले दो दशकों में सीशा के प्रचार-प्रसार के लिए परमेश्वर का धन्यवाद करें और प्रार्थना करें कि इस साल का यह अभियान और भी ज्यादा लोगों के जीवन को आशीर्वाद दे। आप इस पत्रिका के पृष्ठ 34 पर दान की जानकारी पा सकते हैं।

बच्चों का उत्सव

'यीशु ने कहा, 'बच्चों को मेरे पास आने दो, और उन्हें मना मत करो।' (मरकुस 10:14)

14 नवंबर, 2025 को, बाल दिवस के उपलक्ष्य में, हमारे सभी प्रार्थना भवन बच्चों के लिए एक विशेष प्रार्थना दिवस पर एकत्रित होंगे। हमारे प्यारे नन्हे -मुन्ने परमेश्वर के अनमोल रत्न हैं, और यह दिन आनंदमय उत्सवों, आकर्षक प्रतियोगिताओं और हार्दिक प्रार्थनाओं से भरा होगा। अपने बच्चों को अपने नजदीकी प्रार्थना भवन में इस विशेष कार्यक्रम में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करें। आइए, हम सब मिलकर उनके भविष्य के लिए प्रार्थना करें, यह विश्वास करते हुए कि वे परमेश्वर की महान योजनाओं के लिए नियत हैं।

प्रार्थना की आवश्यकताएँ

कृपया 4 नवंबर को अपनी प्रार्थनाओं में हमारे परिवार को याद करें क्योंकि हम मेरी प्यारी बहन, स्वर्गीय एंजेल दिनाकरन के जन्मदिन को याद करते हैं, जिनका जीवन कारुण्या विश्वविद्यालय से प्राप्त आशीषों के माध्यम से फलदायी बना हुआ है।

20 नवंबर, 1980, वह दिन है जब प्रभु ने मुझे अपनी पवित्र आत्मा से अभिषेक किया, एक ऐसा क्षण जिसने मेरे जीवन को हमेशा के लिए बदल दिया। तब से, उसकी आत्मा मेरी मार्गदर्शक, सांत्वनादाता और ज्ञान का स्रोत रही है, जिसने मुझे सेवकाई, विश्वविद्यालय और परिवार का नेतृत्व करने के लिए सशक्त बनाया है। मैं आपको आमंत्रित करता हूँ कि आप परमेश्वर के अभिषेक की खोज करें और हमारी साप्ताहिक प्रार्थना सभाओं के माध्यम से पवित्र आत्मा की परिवर्तनकारी शक्ति का अनुभव करें और धन्य हों।

कृपया इन आगामी कार्यक्रमों के लिए अपनी प्रार्थनाओं में जगह बनाएँ:

- **2 नवंबर, 2025 - रविवार आशीष सभा, अड्यार, चेन्नई**
- **8 नवंबर, 2025 - महिला आशीष सभा, वानग्रम, चेन्नई**
- **8 और 9 नवंबर, 2025 - यीशु बुलाता है प्रार्थना महोत्सव, रोइंग, अरुणाचल प्रदेश**
- **25 दिसंबर, 2025 - क्रिसमस सभा, डॉ. डी.जी.एस. दिनाकरन प्रार्थना भवन, चेन्नई**
- **3 जनवरी, 2026 - युवा उत्सव, चेन्नई**
- **4 जनवरी, 2026 - नव वर्ष आशीष सभा, चेन्नई**
- **1 फरवरी, 2026 - छात्र प्रार्थना सभा, चेन्नई**

सभाओं में शामिल होवें और प्रभु की आराधना करें ताकि उसका भरपूर जीवन प्राप्त हो सके।

मैं परमेश्वर की स्तुति करता हूँ कि उन्होंने कृपापूर्वक मेरी बेटी स्टेल्ला रमोला और मेरे दामाद डैनियल डेविडसन को एक बच्ची बेथानी एड्रिएल डेविड्स का आशीष दिया है।10 अक्टूबर, 2025 को, जिस दिन मेरे पिता ने 1962 में यीशु को प्रत्यक्ष देखा था, हम अपने जीवन में इस अतिरिक्त आशीष के लिए परमेश्वर के बहुत आभारी हैं और हमारे लिए प्रार्थना करने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

जैसा कि पवित्रशास्त्र हमें 1 थिस्सलुनीकियों 5:18 में याद दिलाता है, 'हर बात में धन्यवाद करो; क्योंकि मसीह यीशु में तुम्हारे लिए परमेश्वर की यही इच्छा है', कृतज्ञ हृदय से, आइए हम परमेश्वर की और एक-दूसरे की सेवा करने के हर अवसर के लिए उसका धन्यवाद करते रहें। हमारी कृतज्ञता हमारे विश्वास को मजबूत करे और हमें इस गौरवशाली मिशन में आगे बढते हुए, आनंद और धन्यवाद के साथ उनकी इच्छा पूरी करते हुए एकजुट करे। प्रभु आपको निरंतर प्रचुर आशीष देते रहें और दूसरों के लिए एक आशीष के रूप में आपका उपयोग करते रहें।

आपका भाई जो आपके लिए प्रार्थना करता है,

डॉ पॉल दिनाकरन

अमृतसर के बारे में

पंजाब का हृदयस्थल, अमृतसर एक ऐतिहासिक और जीवंत शहर है जहाँ विविध पृष्ठभूमियों के 24,90,656 लोग रहते हैं। इसकी समृद्ध संस्कृति के पीछे, कई लोग व्यक्तिगत संघर्षों का सामना करते हैं। अमृतसर प्रार्थना भवन में प्राप्त प्रार्थनाएँ आर्थिक बोझ, स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियाँ, घर की इच्छा, कर्ज से मुक्ति, नौकरी और संतान प्राप्ति जैसी गहरी जरूरतों को प्रकट करती हैं। इन चुनौतियों के बीच, प्रार्थना भवन विश्वास की एक किरण के रूप में खडा है, जो प्रार्थना के माध्यम से सांत्वना, आशा और दिव्य उत्तर प्रदान करता है।

आइए अमृतसर के साथ परमेश्वर के प्रेम को बाँटें

‘मुझसे माँग, और मै जाति जाति के लोगों को तेरी सम्पत्ति होने के लिये दे दूँगा।’ (भजन संहिता 2:8)

यीशु बुलाता है प्रार्थना भवन आशा के स्थान है जहाँ प्रार्थना के माध्यम से जीवन परिवर्तित होते है। हर दिन, हम परमेश्वर के शक्तिशाली हाथों को इन मध्यस्थता की वेदियों के माध्यम से चंगाई, चमत्कार और सफलताएँ लाते हुए देखते है।

एक शक्तिशाली गवाही – असफलता से विजय की ओर

‘मैं अमृतसर से यीशु बुलाता है की एक सहयोगी हूँ। जब मैं अपनी बीडीएस परीक्षा में असफल हुई, तो मुझे बहुत निराशा हुई। व्यथित होकर, मैंने अमृतसर प्रार्थना भवन से संपर्क किया। मध्यस्थों ने परमेश्वर की दया पर भरोसा करते हुए, मेरे लिए सच्चे मन से प्रार्थना की। जब मेरे पेपर दोबारा जाँचे गए, तो मेरे कई उत्तर बिना जाँचे रह गए थे और मैं उत्तीर्ण हो गई! आज, मैंने अपनी बीडीएस सफलतापूर्वक पूरी कर ली है, और मैं खुशी-खुशी यह गवाही देती हूँ कि यीशु बुलाता है प्रार्थना भवन के माध्यम से की गई प्रार्थनाओं ने मेरा जीवन बदल दिया और मेरे भविष्य को संवार दिया।’

–**रुचिका**, अमृतसर

आवश्यकता

अमृतसर में 24,90,656 लोगों की बढती आध्यात्मिक भूख को पूरा करने के लिए, प्रार्थना भवन प्रार्थना, स्वयंसेवा और उदार दान के माध्यम से आपका समर्थन चाहता है। प्रार्थना करें कि अमृतसर प्रार्थना भवन प्रार्थना का एक सशक्त वेदिका बने और पंजाब में पुनरुत्थान लाए।

स्वयंसेवकों की आवश्यकता है

हम प्रार्थनापूर्वक हर महीने 50 स्वयंसेवकों की तलाश करते है जो प्रार्थना मध्यस्थ, युवा अगुवों, राजदूत और प्रचारक हों ताकि वे अजनाला, फतेहगढ़ चूड़ियाँ, बटाला, रईया और जंडियाला के आसपास के ज़िलों तक पहुँच सकें।

‘तेरी प्रजा के लोग तेरे पराक्रम के दिन स्वेच्छाबलि बनते हैं।’ – भजन संहिता 110:3

दान के तरीके

अमृतसर में परमेश्वर के प्रेम को बाँटने में हमारे साथ शामिल हों:

- ❑ **रु 1,000 – 1 आत्मा तक पहुँचने के लिए**
- ❑ **रु 1,00,000 – 100 आत्माओं तक पहुँचने के लिए**
- ❑ **रु 10,00,000 – 1,000 आत्माओं तक पहुँचने के लिए या प्रभु के मार्गदर्शनानुसार दान करें।**

अमृतसर प्रार्थना भवन, संपर्क: 9517725640, 6380752227

ईमेल: boamritsar@jesuscalls.org वेबसाइट: www jesuscalls.org

अमृतसर प्रार्थना सेवकाई में दान दें

पुनरुत्थान के लिए एक साथ

भारत के लिए प्रार्थना मिशन के एक भाग के रूप में, आइए हम अमृतसर के लिए विश्वास में एकजुट हों, ताकि यह शहर परमेश्वर की महिमा से भर जाए और हर हृदय उनके परिवर्तनकारी प्रेम का अनुभव करे।

पिता की देखरेख में

मेरे प्यारे युवा मित्र, नवंबर में आपका स्वागत है! हर नया महीना परमेश्वर की ओर से एक नई प्रतिज्ञा लेकर आती है, और इस नवंबर में प्रभु हमारे दिलों में एक सुंदर आश्वासन फुसफुसा रहे हैं: आप पिता की देखरेख में हैं।

जरा सोचिए। उसकी देखरेख में होने का क्या मतलब है? इसका मतलब है कि परमेश्वर आपको अकेला नहीं छोडते, जब जीवन बोझिल लगता है तो वे मुँह नहीं मोडते, और वे आपकी यात्रा के छोटे-छोटे विवरणों को भी नजरअंदाज.नहीं करते। उनकी देखरेख निरंतर, सतर्क और कोमल है।

यीशु मत्ती 10:29-31 में इस परवाह का वर्णन करते हैं: ' क्या पैसे मे दो गौरैये नहीं बिकतीं? तौभी तुम्हारे पिता की इच्छा के बिना उन में से एक भी भूमि पर नहीं गिर सकती। तुम्हारे सिर के बाल भी सब गिने हुए हैं। इसलिये, डरो नहीं; तुम बहुत गौरैयों से बढक़र हो।'

दुनिया की नजरों में दो गौरैयाएँ भले ही तुच्छ लगें, लेकिन पिता की नजरों से एक भी नहीं गिरती। अगर परमेश्वर गौरैया पर इतना ध्यान देते हैं, तो वह अपने प्यारे बच्चों, आप पर और भी ज्यादा ध्यान देते होंगे? वह आपकी कीमत, आपकी जरूरतें, आपके डर, यहाँ तक कि आपके सिर के बालों की संख्या भी जानते हैं।

samuel@jesuscalls.org
samueldhinakaranofficial

युवा वर्ग

देखभाल जो कभी नहीं सोती

एक शाम, जब मैं अपने परिसर से गुजर रहा था, तो मैंने गेट पर सुरक्षा गार्ड को देखा। उसे निगरानी और सुरक्षा करनी चाहिए थी, फिर भी उसकी नजरें अपने फोन पर लगी हुई थीं। उसने मुझे अपने पास आते हुए देखा भी नहीं। मैंने धीरे से पूछा, 'सर, क्या आप ठीक हैं? क्या आप इतने व्यस्त हैं कि देख नहीं पा रहे हैं?'

उस पल मुझे एहसास हुआ कि मानवीय सुरक्षा कितनी सीमित हो सकती है। सबसे सच्चे लोग भी कभी-कभी हमें ध्यान या सुरक्षा नहीं कर पाते। लेकिन हमारा स्वर्गीय पिता कभी विचलित नहीं होता। वह कभी नहीं सोता। वह हमारी उपस्थिति को कभी नजरअंदाज.नहीं करता। भजन संहिता 121:3-4 हमें याद दिलाता है: 'वह तेरे पाँव को फिसलने नहीं देगा, जो तेरा रक्षक है वह कभी नहीं ऊंघेगा; जो इस्राएल का रक्षक है वह न ऊंघेगा, न सोएगा।'

सांसारिक रक्षकों के विपरीत, परमेश्वर की नजर हमेशा आप पर रहती है। उसकी देखभाल निरंतर बनी रहती है, चाहे आप जाग रहे हों या सो रहे हों, दोस्तों से घिरे हों या अकेले बैठे हों।

हर छोटी-छोटी बात में मार्गदर्शन

जब मैं अपने जीवन पर नजर डालता हूँ, तो मैं साफ.तौर पर देख सकता हूँ कि परमेश्वर

की पितातुल्य देखभाल ने मुझे कैसे आकार दिया है। बचपन में, उन्होंने मुझे अपनी आत्मा के लिए गहरी प्यास दी। सही समय पर, उसने मुझे पवित्र आत्मा से भर दिया, और मुझे उसके साथ और करीब चलने के लिए मार्गदर्शन किया। मुझे याद है कि मैं उन सभाओं में जाता था जहाँ मेरे दादाजी और पिताजी उपदेश देते थे। मैं और मेरे भाई-बहन अपनी कुर्सियों पर चुपचाप बैठते थे और उनके द्वारा उद्धृत हर वचन को नोट करते थे। वे शुरुआती अनुशासन सिर्फ.आदतें नहीं थे, बल्कि वे हमें श्रद्धा सिखाने और हमारे चरित्र को गढ़ने का पिता का तरीका थे। प्रभु ने व्यावहारिक मामलों में भी मेरा मार्गदर्शन किया। उसने मेरे दिल में फुसफुसाया कि कैसे शालीनता से कपडे. पहनने चाहिए, किस मनोरंजन से बचना चाहिए, और कब ध्यान भटकाने वाली चीजों से दूर रहना चाहिए। कभी-कभी, कोई वीडियो देखते या गाना सुनते हुए, मैं अचानक अंदर से बेचैन हो जाता था। मुझे पता था कि यह प्रभु मुझे चेतावनी दे रहे थे: 'यह सही नहीं है। इसे छोड.दो।' वह आंतरिक प्रेरणा उनकी प्रेमपूर्ण देखभाल थी, जो मुझे उन प्रभावों से बचाती थी जो मुझे उनके उद्देश्य से दूर ले जा सकते थे।

> अपने कदमों की रक्षा करने, आपके निर्णयों का मार्गदर्शन करने और आपकी जरूरतों को पूरा करने के लिए परमेश्वर पर भरोसा रखें और आप पाएंगे कि उसकी देखभाल परिपूर्ण, अपरिवर्तनीय और अत्यंत व्यक्तिगत है।

उसकी योजनाओं के लिए तैयार

पिता की देखभाल ने न केवल मेरी रक्षा की, बल्कि मुझे आगे के मार्ग के लिए भी तैयार किया। छोटी उम्र से ही, उसने मेरे पिता के माध्यम से मुझे गायन और संगीत में प्रोत्साहित किया। स्कूल में, उसने मुझे नाटकों में अभिनय करने, प्रतियोगिताओं में भाग लेने और अपनी प्रतिभाओं को खोजने के अवसर दिए। ये छोटी शुरुआतें बडे.मंचों की ओर ले जाने वाली सीढ़ियाँ बन गई, सभाओं में गायन, नेतृत्व सम्मेलनों में भाषण, और यहाँ तक कि सांसदों को संबोधित करना। मैं अक्सर इस यात्रा पर अचंभित होता हूँ, क्योंकि मुझे पता है कि मैं ऐसे अवसरों के लायक नहीं हूँ। फिर भी पिता ने इन सभी की योजना बनाई थी। प्रत्येक चरण में, उसने मुझे आवश्यक कौशल, साहस और ज्ञान प्रदान किया। उसने मुझे सही समय पर पोषित किया, मुझे सही स्थानों पर पहुँचाया, और आज भी मेरा मार्गदर्शन कर रहे हैं।

आपके लिए भी वही देखभाल है

मेरे मित्र, पिता की देखभाल केवल मेरे लिए ही नहीं, आपके लिए भी है। वह आपके संघर्षों को जानते हैं और उन आशंकाओं को समझते हैं जिन्हें आप शायद ही कभी व्यक्त करते हैं। वह आपके दिल में छिपे सपनों और आपके गुप्त संघर्षों को देखता है। वह आपको हर मोड.पर थामे रखने, पोषण देने और मार्गदर्शन देने का वादा करता है। आप कभी-कभी अकेला महसूस कर सकते हैं, लेकिन आप कभी भी सचमुच अकेले नहीं होते। जब माता-पिता, दोस्त या नेता आपके साथ नहीं चल पाते, तब भी आपका स्वर्गीय पिता आपके साथ है। उसकी देखभाल आपको फिसलने या आपके जीवन को बर्बाद नहीं होने देगी।

इस नवंबर, इस विश्वास में विश्राम करें कि पिता की नजर आप पर है। अपने कदमों की रक्षा करने, आपके निर्णयों का मार्गदर्शन करने और आपकी जरूरतों को पूरा करने के लिए उस पर भरोसा रखें। उसकी देखभाल परिपूर्ण, अपरिवर्तनीय और अत्यंत व्यक्तिगत है। परमेश्वर आपको इस महीने भरपूर आशीर्वाद दें क्योंकि आप पिता की अटूट देखभाल में रहते हैं।

मैं अपने रिश्तों में वफादार रही हूँ, लेकिन ऐसा लगता है कि अब कोई भी वफादारी की कद्र नहीं करता। जब दूसरे प्रतिबद्ध नहीं हैं, तो प्रतिबद्ध रहने का क्या मतलब है?

क्या आप अब भी वफादार है?

– विनीता जोसेफ

प्रिय मित्रों, यह एक ईमानदार और दिल से किया गया सवाल है और अगर आप यह पूछ रहे हैं, तो आप अकेले नहीं हैं। हम एक ऐसी दुनिया में रहते हैं जहाँ रिश्तों का जश्न मनाया जाता है, सालगिरह सोशल मीडिया पर साझा की जाती है, और प्यार अक्सर तस्वीरों में दिखाया जाता है, लेकिन पर्दे के पीछे, कुछ बहुत ही परेशान करने वाला हो रहा है; वफादारी का चलन खत्म होता जा रहा है।

आजकल, लोगों के लिए एक रिश्ते से दूसरे रिश्ते में जाना, अपने विकल्प खुले रखना, या मुश्किल समय में भावनात्मक रूप से अलग हो जाना आम बात हो गई है। लेकिन परमेश्वर का वचन हमें किसी उच्चतर, पवित्र चीज.की ओर बुलाता है: वफादारी।

जिन लोगों से हम प्यार करते हैं, उनके लिए जश्न मनाना अब भी खूबसूरत है, लेकिन उससे भी ज्यादा खूबसूरत है उनके प्रति न सिर्फ.खुशी के पलों में, बल्कि मुश्किल पलों में भी वफादार बने रहने का फैसला।

मैंने हाल ही में एक बुजुर्ग दंपत्ति की एक मार्मिक कहानी सुनी। उनकी शादी को दशकों हो गए थे, लेकिन पत्नी लगातार चिडचिडी और जिद्द करने वाली होती जा रही थी। हर मोड.पर, वह अपने पति की निंदा करती: 'तुमने यह ठीक नहीं किया... यह गलत है... यह बैग ले लो... नहीं, ऐसे नहीं...' एक दिन, एक डॉक्टर जिसने यह सब देखा, उसने पति से पूछा, 'इतने सालों बाद भी तुम उसके साथ क्यों हो?' उस आदमी ने धीरे से जवाब दिया, 'क्योंकि मैंने एक मन्नत मानी थी। विवाह पर, मैंने कहा था, 'बीमारी में और सेहत में, मौत तक हम साथ रहेंगे।' और मेरा यही इरादा था। मैं उसके प्रति वफादार रहूँगा, चाहे वह कैसी भी हो।'

यही वाचा की शक्ति है। यही ईश्वरीय प्रेम की खूबसूरती है। चाहे वह आपका जीवनसाथी हो, आपके माता-पिता हों, आपका सबसे अच्छा दोस्त हो, या फिर कोई मार्गदर्शक ही क्यों न हो, वफादारी ही वह गोंद है जो रिश्तों को जोडे.रखती है। यह सिर्फ. दिखावे की बात नहीं है, बल्कि किसी से प्यार करने, उसका सम्मान करने और उसके साथ खडे.होने का चुनाव करने की बात है, तब भी जब यह आसान न हो।

तो हम अपने रिश्तों में वफादार कैसे रह सकते हैं?

अपने प्रियजन की तुलना दूसरों से न करें: तुलना एक चोर है। यह खुशी चुरा लेती है और परमेश्वर द्वारा आपको दिए गए व्यक्ति की विशिष्टता को विकृत कर देती है।

अपनी आँखों और अपने दिल की रक्षा करें: बेवफाई की ओर पहला कदम अक्सर शारीरिक नहीं, बल्कि भावनात्मक होता है। सतर्क रहें। ऐसे विचारों या छवियों को मन में न आने दें जो आपके रिश्ते का सम्मान नहीं करते।

अक्सर और विनम्रता से संवाद करें: जब मौन होता है तो गलतफहमियाँ पहाड.बन सकती हैं। लेकिन संवाद, खासकर अनुग्रह से भरा, चंगाई लाता है।

याद रखें कि आपको किसने जोडा: चाहे कोई भी तर्क उठे, यह याद रखें: परमेश्वर ने आपको जोडा है। आपका जीवनसाथी आपका दुश्मन नहीं है। वे आपके साथी हैं, आपका दूसरा आधा, परमेश्वर द्वारा दिया गया आपका साथी।

– डॉ शिल्पा दिनाकरन के उत्तर

पवित्रशास्त्र में वफादारी के सबसे प्रभावशाली चित्रों में से एक होशे और गोमेर की कहानी है। परमेश्वर ने एक भविष्यवक्ता होशे से गोमेर नाम की एक स्त्री से विवाह करने को कहा जो उसके प्रति विश्वासघाती होगी। उसने बार-बार उसे धोखा दिया। लेकिन होशे उसे वापस ले जाता रहा। क्यों? क्योंकि परमेश्वर हमारे प्रति अपनी वफादारी का एक चित्र प्रस्तुत कर रहा था, एक ऐसी जाति जो अक्सर भटक जाती है, फिर भी उसका हमेशा स्वागत किया जाता है।

> **वफादारी वह गोंद है जो रिश्तों को जोड़े रखती है। यह किसी से प्यार करने, उसका सम्मान करने और उसके साथ खड़े होने का चुनाव करने के बारे में है, तब भी जब यह आसान न हो।**

दोस्त, अगर परमेश्वर हमारी कमजोरियों में हमारे प्रति इतना वफादार है, तो हमें अपने रिश्तों में इसे और कितना अधिक दर्शाना चाहिए? आप पूछ सकते हैं, 'लेकिन अगर मैं वफादार रहा और फिर भी मुझे ठेस पहुँची तो क्या होगा?' यह एक ऐसा प्रश्न है जो मुझे अक्सर मिलता है। किसी ने एक बार मुझसे कहा था, 'बहन, मैंने अपना सब कुछ दे दिया। मैं वफादार, ईमानदार और प्रेममय था। लेकिन दूसरे व्यक्ति ने फिर भी धोखा दिया, फिर भी मुझे छोड.दिया, फिर भी मेरा दिल तोडा। वफादार होने का क्या मतलब है?' प्रिय मित्र, मैं आप से यही कहता हूँ: परमेश्वर आप को देखता है। उसने आपके हर आँसू को देखा जो आपने गुप्त रूप से बहाए। उसने आपके हृदय की निष्ठा को देखा।

नीतिवचन 28:20 कहता है, 'एक सच्चा व्यक्ति पर भरपूर आशीषें बरसती हैं।' तुम्हारी वफादारी व्यर्थ नहीं जाती। यह देखी जाती है, और इसका प्रतिफल मिलेगा।

हो सकता है कि जिस व्यक्ति के प्रति आप वफादार थे, उसे इसकी कद्र न हो, लेकिन परमेश्वर को है। वह या तो रिश्ते को बहाल कर देगा या आपको उससे भी बेहतर चीज.का आशीर्वाद देगा। चाहे कुछ भी हो जाए, आपको यह विश्वास करने का शांत आत्मविश्वास रहेगा: मैं सच्चा रहा। मैंने खूब प्यार किया। मैंने विश्वासघात नहीं किया।

अगर दुनिया आपको छोड.देने के लिए कह रही है, तब भी आप वफादारी पर अडे.हैं, तो हौसला रखिए। आप उस संकरे रास्ते पर चल रहे हैं जहाँ एकमात्र परमेश्वर स्वयं आपके साथ चल रहा है। परमेश्वर टूटे हुए दिलों को भर देता है। वह टूटे हुए भरोसे को फिर से जोडता है। वह उन लोगों का आदर करता है जो उसका आदर करते हैं।

इसलिए हार मत मानिए। इस झूठ पर विश्वास मत कीजिए कि वफादार होना व्यर्थ है। यह शक्तिशाली है, दुर्लभ है, और पवित्र है। आपका इनाम सिर्फ.एक बेहतर रिश्ता नहीं है, बल्कि आपके जीवन पर परमेश्वर की कृपा है। वफादार बने रहिए, क्योंकि आपकी वफादारी इस जीवन और आने वाले जीवन, दोनों में आशीषों में फलेगी-फूलेगी। मैं प्रार्थना करती हूँ और कामना करती हूँ कि परमेश्वर का प्रतिफल आपके जीवन पर आए।

लाखों लोगों के आँसू पोंछने के लिए यीशु बुलाता है
सेवकाई का समर्थन करने के तरीके

SCAN & PAY

SCAN & PAY INSTANTLY VIA UPI

UPI jesuscalls@indus

BANK TRANSFER:

Bank	Beneficiary	A/c No.	IFSC
IndusInd	JESUS CALLS	555444333222111	INDB0000167
ICICI	JESUS CALLS	000901056144	ICIC0000009

Please share your donation detail to us through Whatsapp to 98409 99923

Website: **www.jesuscalls.org/donate**

Jesus Calls Mobile app (available in Android & IOS)

EMO/CHEQUE /DD

- Write in favour of "JESUS CALLS"
- Can be sent by speed post to: Prayer Tower, 16, D.G.S. Dhinakaran Road, Chennai 600028.
- In person: At the prayer tower in your area

For donation related/partner plans/receipts related queries, please call or Whatsapp 98409 99923. For 24x7 Prayer support, please call 8546999000

आपका उत्सव, उनका उद्धार: एक ऐसा बीज बोएँ जो अनंत काल तक गूंजता रहे

हर चमत्कार विश्वास के एक ही कार्य से शुरू होता है। एक छोटे लडक़े ने अपना दोपहर का भोजन अर्पित किया, और यीशु ने एक बडी भीड़ को भोजन कराया। जब आप अपना उत्सव अर्पित करते है, तो क्या हो सकता है?

यूहन्ना 6 में उस सरल, शक्तिशाली संवाद में, हम एक दिव्य सिद्धांत देखते है: परमेश्वर वह लेता है जो हम स्वेच्छा से देते है और उसे हमारी कल्पना से परे कई गुना बढा देता है। आज, आपका विशेष दिन, आपका जन्मदिन, सालगिरह, या कृतज्ञता का एक क्षण, वह भेंट हो सकता है। यीशु बुलाता है टीवी मिनिस्ट्री के माध्यम से, आपका बीज पूरे देश में भूखी आत्माओं के लिए जीवन की रोटी बन जाता है। आप सुसमाचार का कारण बनते है, शक्तिशाली और शुद्ध, जो टेलीविजन संकेतों के माध्यम से अनगिनत घरों तक प्रवाहित होता है। तमिल, हिंदी, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ जैसी भाषाओं में हर महीने 150 से ज्यादा कार्यक्रमों के साथ, हम उन लोगों तक पहुँच रहे है जिनकी पहुँच नहीं है, थके हुए, खोए हुए, आशा के एक वचन के लिए बेताब। आप वह व्यक्ति हो सकते है जो उनके दरवाजे़ तक वह आशा पहुँचाते है।

❇ जन्मदिन को किसी के बंधन से मुक्ति का दिन बनाएँ

❇अपनी सालगिरह को मसीह के प्रेम से परिवर्तित हुई आत्मा के प्रतीक के रूप में मनाएँ

एक प्रायोजक की गवाही – निर्वासन से ग्रीन कार्ड तक

मेरा बेटा, वैशाख, सात साल से अमेरिका में बिना किसी समस्या के काम कर रहा था, लेकिन अचानक उसका प्रोजेक्ट बंद हो गया, जिससे उसे भारत लौटने के लिए मजबूर होना पडा, जबकि उसके वीजा में अभी तीन साल बाकी थे। उसने त्रिवेंद्रम में अवसरों की तलाश की, लेकिन कोई प्रोजेक्ट नहीं मिला। वह पूरी तरह से फँसा हुआ महसूस कर रहा था। उस कठिन समय में, मैंने डॉ पॉल दिनाकरन को प्रार्थना के लिए लिखा। उन्होंने पूरे विश्वास के साथ मुझे आश्वासन दिया, 'आपके बेटे को नौकरी जरूर मिलेगी।' जैसे ही उसने प्रार्थना की, परमेश्वर ने रास्ता खोल दिया और मेरे बेटे को अमेरिका में एक सरकारी आईटी कंपनी में एक शानदार नौकरी मिल गई। कृतज्ञता में, मैंने एक धन्यवाद-प्रार्थना अर्पित की और एक टीवी कार्यक्रम प्रायोजित किया। इसके तुरंत बाद, परमेश्वर ने उसे ग्रीन कार्ड का आशीर्वाद दिया। परमेश्वर ने न केवल मेरे बेटे को नौकरी दी, बल्कि अमेरिका में स्थायी निवास का आशीर्वाद भी दिया। यीशु की जय हो!

– रानी, त्रिवेंद्रम

किसी की प्रार्थना का उत्तर बनें

जब आप किसी कार्यक्रम को प्रायोजित करते है, तो आपकी विश्वास की यात्रा इस सेवा के साथ जुड़ जाती है। दिनाकरन परिवार प्रसारण के दौरान आपका नाम और आपकी विशिष्ट प्रार्थनाएँ प्रभु को समर्पित करके व्यक्तिगत रूप से आपकी आज्ञाकारिता का सम्मान करेंगे। जिस प्रकार श्रीमती रानी ने विश्वास के साथ बोया और चमत्कारों की फसल देखी, उसी प्रकार आप भी ईश्वरीय कृपा के युग में कदम रखेंगे। आपका दान परमेश्वर का हाथ बन जाता है, जो टूटे हुए लोगों तक पहुँचता है और आशा की किरण जगाता है।

आह्वान का उत्तर दें। अपने विश्वास को पूरे देश में प्रसारित करें।

❇ पूर्ण प्रायोजन: रु 30,000 /- एक संपूर्ण कार्यक्रम परमेश्वर की महिमा को समर्पित करें।

❇ सह-प्रायोजन: रु 10,000 /- सुसमाचार का प्रसार करने के लिए अन्य विश्वासियों के साथ साझेदारी करें।

अपने उत्सव को केवल एक स्मृति न बनने दें। इसे परमेश्वर के राज्य में एक मील का पत्थर बनने दें।

टीवी कार्यक्रम प्रायोजित करने की अधिक जानकारी के लिए:

❇ **ऑनलाइन दान करें:** https://www.jesuscalls.org/donate/tvs

❇ **ईमेल:** tvs@jesuscalls.org **कॉल करें: 95001 27277**

❇ **अपने क्षेत्र के यीशु बुलाता है प्रार्थना भवन पर जाएँ**

❇ **पता: प्रार्थना भवन, 16, डी.जी.एस. दिनाकरन रोड, चेन्नई- 600 028**

टीवी सेवकाई में दान दें

JESUS CALLS
PRAYING FOR THE WORLD

WE'RE HIRING

COME JOIN US FOR A HEARTWARMING MISSION
These are some of the job positions available at Jesus Calls.
We invite you to apply or refer.

FOR THE FULL LIST OF POSITIONS, PLEASE VISIT www.jesuscalls.org

NEW POSITIONS	ROLE / SKILLSET
MINISTRY: JESUS CALLS, LOCATION: CHENNAI	
HEAD – ADMINISTRATION	OVERSEES ORGANIZATIONAL ADMINISTRATION, OPERATIONS, AND FACILITY MANAGEMENT
HEAD – IT	LEADS DIGITAL INFRASTRUCTURE, SYSTEMS DEVELOPMENT, AND TECHNOLOGY STRATEGY
FINANCE CONTROLLER	DIRECTS FINANCIAL PLANNING, REPORTING, AND STATUTORY COMPLIANCE
HEAD OF SECURITY	ENSURES CAMPUS AND EVENT SECURITY, RISK CONTROL, AND SAFETY OPERATIONS
SR. MANAGER – BRANDING & PR	LEADS BRAND COMMUNICATIONS, MEDIA RELATIONS, AND PUBLICITY STRATEGY
SR. MANAGER – LEARNING & DEVELOPMENT	DESIGNS TRAINING FRAMEWORKS, LEADERSHIP PROGRAMS, AND STAFF DEVELOPMENT
SR. MANAGER – YOUTH & KIDS MINSTRY	DEVELOPS MINISTRY PROGRAMS, OUTREACH EVENTS, AND CREATIVE ENGAGEMENT FOR YOUTH AND CHILDREN
SR. MANAGER – TELEPHONE PRAYER TOWER	OVERSEES 24/7 PRAYER LINE OPERATIONS, CALL MINISTRY QUALITY, AND TEAM MANAGEMENT
SR. MANAGER – NATIONAL PRAYER MINISTRY ALLIANCE & INSTITUTIONS	BUILDS ALLIANCES WITH CHURCHES, MINISTRIES, AND CHRISTIAN INSTITUTIONS NATIONWIDE
SR. MANAGER – CYBER SECURITY	IMPLEMENTS CYBER SAFEGUARDS, DATA SECURITY POLICIES, AND IT RISK MANAGEMENT
SR. MANAGER – EVENTS	PLANS, ORGANIZES, AND EXECUTES NATIONAL EVENTS AND REGIONAL OUTREACHES
SR. MANAGER – SOCIAL MEDIA	LEADS DIGITAL STRATEGY, CONTENT CREATION, AUDIENCE ENGAGEMENT, AND ONLINE CAMPAIGNS
SR. MANAGER – BROADCAST ENGINEERING	MANAGES TECHNICAL BROADCAST SYSTEMS, TRANSMISSION QUALITY, AND EQUIPMENT MAINTENANCE
SR. MANAGER – PRAYER TOWER (PT)	LEADS PRAYER TOWER OPERATIONS, STAFF, AND MINISTRY EXECUTION
MANAGER – DATA ACQUISITION	MANAGES DATABASE GROWTH, ANALYTICS, AND INFORMATION SYSTEMS
MANAGER – PARTNER ENGAGEMENT	BUILDS RELATIONSHIPS WITH DONORS AND PARTNERS THROUGH EVENTS AND FOLLOW-UP
MANAGER – PARTNER RETENTION	IMPLEMENTS STRATEGIES FOR DONOR LOYALTY, RETENTION, AND FAITH ENGAGEMENT
AREA MANAGER	LEADS REGIONAL OPERATIONS, FIELD MINISTRY, AND TEAM PERFORMANCE LOCATION: DELHI, MADURAI, DIMAPUR, CHENNAI (TN NORTH), MUMBAI
MANAGER – PRAYER TOWER	MANAGES LOCAL PRAYER TOWER OPERATIONS, MINISTRY ACTIVITIES, AND TEAM DISCIPLESHIP LOCATION: MADURAI, KUKATPALLY, RAJAHMUNDRY, TIRUNELVELI, THIRUVANANTHAPURAM, AVADI, BHIMAVARAM, SHILLONG, ROURKELA, DAHISAR, RAJAJI NAGAR, VIJAYAWADA, COIMBATORE, BETHESDA, SIVAKASI, VELLORE MAIN, KOCHI, HIMMAT NAGAR, BHILASPUR, ITANAGAR, GOA
TV CHANNEL HEAD	OVERSEES PROGRAMMING, BROADCAST, DISTRIBUTION, MARKETING, AND PROMOTIONS
SR. MANAGER – PROGRAMMING (MEDIA)	MANAGES PRE-PRODUCTION, PRODUCTION, POST-PRODUCTION, QUALITY CONTROL, AND BUDGETING
MINISTRY: SEESHA, LOCATION: CHENNAI	
CHIEF OPERATING OFFICER (COO)	LEADS HUMANITARIAN OPERATIONS, PROGRAM STRATEGY, AND FIELD IMPLEMENTATION
PROJECTS, LOCATION: CHENNAI	
CHIEF EXECUTIVE OFFICER (CEO)	PROVIDES STRATEGIC DIRECTION, BUSINESS LEADERSHIP, AND GROWTH MANAGEMENT
CHIEF OPERATING OFFICER (COO)	MANAGES BUSINESS OPERATIONS, PERFORMANCE, AND ORGANIZATIONAL EFFICIENCY
CHIEF FINANCIAL OFFICER (CFO)	DIRECTS FINANCIAL STRATEGY, INVESTMENT PLANNING, AND CAPITAL MANAGEMENT
HEAD – BUSINESS DEVELOPMENT	IDENTIFIES NEW BUSINESS, OPPORTUNITIES, ESTABLISHES NEW VENTURES, MARKET RESEARCH & FINANCE PLANNING
FINANCE MANAGER	HANDLES ACCOUNTING OPERATIONS, FINANCIAL REPORTING, AND AUDIT COMPLIANCE

SUBMIT YOUR CV: careers@jesuscalls.org;
WHATSAPP CV TO: 9360136417, 6381754522
Please share it with those who may be blessed by it

दिव्य सत्य का मार्गदर्शन

“मुझे अपने सत्य पर चला और शिक्षा दे।” (भजन संहिता 25:5)

यह वह प्रार्थना है जो हम सभी को प्रतिदिन परमेश्वर से करनी चाहिए। परमेश्वर का जन, दाऊद, इसी प्रकार पूरे आदर के साथ प्रभु से प्रार्थना करता है। इसीलिए हम 1 इतिहास 29:28 में पढते हैं कि वह 'एक अच्छे बुढापे में, दीर्घायु, धन और महिमा से परिपूर्ण होकर मरा।' आइए हम पवित्रशास्त्र के आधार पर देखें कि इस दिव्य जीवन का अनुसरण कैसे करें और इस प्रकार उसकी आशीषें प्राप्त करें!

मुझे अपने सत्य पर चला और शिक्षा दे

इस प्रकार का दिव्य मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए हमें क्या करना चाहिए? जैसा कि भजन संहिता 69:13 में देखा गया है, हमें प्रभु से प्रार्थना करनी चाहिए। तब, अपनी असीम दया से, प्रभु हमें सत्य, 'अपने उद्धार' से भर देंगे। यूहन्ना 8:44 से हम जानते हैं कि शैतान झूठा है और झूठ का पिता है, और वह सत्य पर स्थिर नहीं रहता क्योंकि उसमें सत्य है ही नहीं। यूहन्ना 14:6 में प्रभु यीशु कहते हैं, 'मार्ग, सत्य और जीवन मैं ही हूँ।' यूहन्ना 17:17 में हम पढते हैं कि 'प्रभु का वचन' सत्य है। हाँ, परमेश्वर का वचन हमें पवित्र करता है। इसी प्रकार, प्रभु का पवित्रशास्त्र भी हमें पुनर्जीवित करता है। दाऊद अपने अनुभव से कहता है, 'तेरा वचन मेरे पाँव के लिए दीपक और मेरे मार्ग के लिए उजियाला है' (भजन संहिता 119:105)। हम प्रभु के वचन को कितनी लगन और श्रद्धा से पढते हैं? क्या हमें यह दिव्य अनुभव प्राप्त होता है?

प्रेरित पौलुस अपने सेवक तीतुस को लिखते हैं कि हमें 'विश्वासयोग्य वचन को दृढता से थामे रहना चाहिए' (तीतुस 1:9)। हम बाइबल में पढते हैं, मारथा की बहन मरियम, यीशु के चरणों में बैठी थी और उसने उसका वचन सुना और यीशु ने उसके बारे में कहा कि 'उसने वह उत्तम भाग चुन लिया है जो उससे छीना न जाएगा' (लूका 10:39-42)। यूहन्ना 5:24 में यीशु कहते हैं, 'जो मेरा वचन सुनकर मेरे भेजनेवाले पर विश्वास करता है, अनन्त जीवन उसका है, और उस पर दण्ड की आज्ञा नहीं होगी, परन्तु वह मृत्यु से

Stella Dhinakaran / stella@jesuscalls.org

पार होकर जीवन में प्रवेश कर चुका है।' कुलुस्सियों 3:16 में हम पढते हैं, 'मसीह का वचन अपने हृदय में सम्पूर्ण ज्ञान सहित अधिकाई से बसे।'

यूहन्ना 5:24 के अनुसार, 'जो मेरा (प्रभु का) वचन सुनकर मेरे भेजनेवाले पर विश्वास करता है, अनन्त जीवन उसका है।' 'परन्तु मैं उसी पर दृष्टि रखूँगा, जो कंगाल और खेदित मन का है, और मेरे वचन सुनकर थरथराता है' (यशायाह 66:2)। यही बात पद 5 में भी पढी गई है।

उदाहरण के लिए, भाई। डी.जी.एस. दिनाकरन परमेश्वर का भय मानते थे और उनके वचनों को ध्यानपूर्वक और लगन से पढते और उन पर मनन करते थे और लोगों को उनका उपदेश देते थे। यह लोगों के लिए बहुत सांत्वना और आशीर्वाद था। इसी प्रकार, आज भी, जब परमेश्वर का प्रत्येक सेवक और परिवार के लोग पवित्रशास्त्र को श्रद्धापूर्वक पढेंगे और 'सत्य' से परिपूर्ण होंगे, तो यह निश्चित है कि वे प्रभु में बढेंगे और हर तरफ से उन्नति का आशीर्वाद प्राप्त करेंगे।

सब बातों में बढते जाओ

उसके सेवक, संत पौलुस, इफिसियों को लिखते हुए इस प्रकार लिखते हैं, 'प्रेम में सत्य बोलते हुए, सब बातों में बढते जाओ' (इफिसियों 4:15)। यह उन्नति किस हद तक होनी चाहिए? जैसा कि इफिसियों 4:13 में पढा गया है, हम सभी को विश्वास और ज्ञान की एकता में आना चाहिए। हम पढते हैं कि अब्राहम परमेश्वर द्वारा चुना गया था, वह विश्वास, ज्ञान और सत्य से परिपूर्ण था और उसने अपने जीवन में प्रचुर आशीषों का आनंद लिया।

इस संसार का सबसे बडा दुःख संतान न होना है। अब्राहम अपने जीवन में लंबे समय तक इस कष्टदायक स्थिति में रहा। लेकिन, परमेश्वर से यह भरपूर आशीष पाने के लिए उसने क्या किया?

'और विश्वास में निर्बल न होकर, उसने अपने मरे हुए शरीर और सारा के गर्भ की निर्जीवता पर भी ध्यान न दिया। उसने अविश्वास के कारण परमेश्वर की प्रतिज्ञा पर संदेह न किया, परन्तु विश्वास में दृढ होकर परमेश्वर की महिमा की, और पूरा विश्वास किया कि जो प्रतिज्ञा उसने की है, उसे वह पूरा भी कर सकता है' (रोमियों 4:19-21)

जब आप श्रद्धापूर्वक पवित्रशास्त्र का पाठ करते है और सत्य से परिपूर्ण होते है, तो आप प्रभु में विकसित और समृद्ध होंगे

उपरोक्त पद अद्भुत रूप से समझाते हैं कि अभाव की उस स्थिति से भी उसके लिए प्रचुर आशीष प्राप्त करना कैसे संभव हुआ। सबसे पहले, विश्वास में निर्बल न होकर, उसने परमेश्वर के पवित्रशास्त्र को लगन से पढकर, उसमें दिए गए वादों को अपने लिए मानकर और परमेश्वर की महिमा करके, और स्वयं को पूरा विश्वास दिलाकर कि जिसने प्रतिज्ञा की है, वह उसे पूरा करने में समर्थ है, विश्वास में दृढ हुआ! उसने अपने पहले से ही मरे हुए शरीर और सारा के गर्भ की निर्जीवता पर ध्यान नहीं दिया। जी हाँ, हम इसे उत्पत्ति 18:11 में पढते हैं।

उसमें विश्वास कैसे बढा?

हमने स्पष्ट रूप से पढा कि उसने परमेश्वर को महिमा दी, क्योंकि उसे पूरा विश्वास था कि उसने जो वादा किया था, वह उसे पूरा करने में भी सक्षम है।

मेरे प्रियजनों, जो आज निराश हैं और जीवन की विभिन्न आवश्यकताओं और अभावों, जैसे संतान सुख का अभाव और ऐसी ही अन्य चीजों के कारण आँसू बहा रहे हैं! कृपया बाइबल को ध्यान से पढें, उसमें दिए गए सत्यों की जाँच करें और विश्वास के साथ प्रभु से प्रार्थना करें। तब प्रभु आपके जीवन के सभी अभावों को दूर करेंगे और आपको एक धन्य मार्ग पर ले जाएँगे जैसा कि हम यूहन्ना 8:32 में पढते हैं, 'तुम सत्य को जानोगे और सत्य तुम्हें स्वतंत्र करेगा।'

मेरा अपना जीवन इसका एक उत्कृष्ट उदाहरण है! शुरुआत में, हमारा वैवाहिक जीवन आँसुओं और पीडा से भरा था क्योंकि पहले मेरा गर्भपात हुआ और उसके बाद एक मृत पुत्र का जन्म हुआ। उस समय, हम दोनों को प्रभु और उनके वचन पर विश्वास था और यशायाह 26:3 के अनुसार, हमें

पूर्ण शांति मिली, 'जिसका मन तुझ पर स्थिर रहता है, उसे तू पूर्ण शांति में रखता है, क्योंकि वह तुझ पर भरोसा रखता है।' इसके बाद, हमें प्रभु से पूर्ण आशीर्वाद प्राप्त हुआ। हाँ,हमें 6 साल बाद प्यारे बेटे पॉल दिनाकरन और प्यारी बेटी एंजेल के बच्चों का आशीर्वाद मिला और हम बहुत खुश हुए!

आज, प्रभु आपको भी वही आशीर्वाद देने के लिए तैयार हैं। इसलिए, आपको भी पूरी लगन और श्रद्धा के साथ सत्य का मनन करना चाहिए और अब्राहम की तरह अपना आशीर्वाद प्राप्त करना चाहिए। हमारे प्रभु में कोई पक्षपात नहीं है। भजन संहिता 34:10 के अनुसार, प्रभु को श्रद्धापूर्वक खोजें और उनसे अपनी जरूरत के अनुसार लाभ प्राप्त करें।

प्रभु आपको सत्य की आत्मा से परिपूर्ण होने की अभिलाषा करने, उन्हें ग्रहण करने और अनेक अन्य लोगों का मार्गदर्शन करने की कृपा प्रदान करेंगे

'प्रभु का आशीर्वाद धनी बनाता है, और वह उसके साथ दु:ख नहीं जोडता।'

(नीतिवचन 10:22)

सत्य का पालन करें

'आत्मा के द्वारा सत्य का पालन करते हुए अपनी आत्माओं को शुद्ध करें...'

(1 पतरस 1:22)

'परन्तु जब वह जो सिद्ध है, आ जाएगा, तब वह जो अधूरा है, मिट जाएगा।' (1 कुरिन्थियों 13:10)

'ताकि तुम किसी वरदान में घटी न रहो, और हमारे प्रभु यीशु मसीह के प्रकट होने की बाट जोहते रहो, जो तुम्हें अन्त तक दृढ.भी करेगा, कि तुम हमारे प्रभु यीशु मसीह के दिन में निर्दोष ठहरो।' (1 कुरिन्थियों 1:7,8)

आपको प्रभु के दूसरे आगमन की प्रतीक्षा करनी चाहिए, उसमें स्थिर होकर। 'पवित्र आत्मा से परिपूर्ण होना' ही इस दिव्य जीवन का मार्ग प्रशस्त करता है। प्रभु यीशु मसीह ने एक विजयी मसीही जीवन जीकर हमारे लिए एक आदर्श स्थापित किया है। यही कारण है, जैसा कि हम प्रेरितों के काम 10:38 में पढते हैं, 'ईश्वरों के परमेश्वर ने यीशु मसीह को पवित्र आत्मा और सामर्थ्य से अभिषेक किया और उसके साथ था।'

इस संसार में यह पवित्र जीवन कैसे प्राप्त करें?

जैसा कि हम लूका 11:13 में पढते हैं, 'स्वर्गीय पिता अपने मांगनेवालों को पवित्र आत्मा देगा।' तो आइए हम विश्वास और श्रद्धा के साथ उससे प्रार्थना करें कि वह हमें अपनी पवित्र आत्मा से परिपूर्ण करे। प्रभु अपने वचन के अनुसार हमें परिपूर्ण करेगा।

मेरे परिवार में हर कोई इसका उदाहरण है। जिस क्षण भाई दिनाकरन को इस सत्य का बोध हुआ, उन्होंने सात वर्षों तक प्रभु से प्रार्थना की कि वे उन्हें प्रभु की आत्मा से परिपूर्ण करें। तदनुसार, वे प्रभु की आत्मा, उनके वरदानों और सामर्थ्य से अद्भुत रूप से परिपूर्ण हुए और उनके लिए एक गौरवशाली जीवन जिया। उनका अनुसरण करते हुए, हमारे परिवार और अधिकांश रिश्तेदारों ने भी यह दिव्य जीवन प्राप्त किया और आज तक उसके लिए अच्छे गवाह हैं।

मेरे प्रियो, बाइबल के प्रेरितों के काम के दसवें अध्याय में हम पढते हैं कि कुरनेलियुस, जो एक गैर-यहूदी था, में यह दिव्य इच्छा थी और इसलिए उसने अपने परिवार और मित्रों के साथ प्रभु की सामर्थ्य से परिपूर्ण जीवन प्राप्त किया और उनके लिए एक अच्छे गवाह के रूप में जीवन जिया।

प्रियो! आज भी, आप में से प्रत्येक को, जो इसे पढ.रहे हैं, इस दिव्य शक्ति से परिपूर्ण जीवन की अभिलाषा करनी चाहिए और अपने जीवन को आदरपूर्वक प्रभु के समक्ष समर्पित करना चाहिए ताकि यह पवित्र हो और आप सत्य के लिए एक स्तंभ और आधार बनें और धन्य हों। ईश्वर आपको प्रभु का भय मानने, सत्य की आत्मा से परिपूर्ण होने और उनकी महिमा का जीवन जीने की लालसा रखने और इस प्रकार इस दिव्य मार्ग पर अनेक अन्य लोगों का मार्गदर्शन करने की कृपा प्रदान करें!

प्रतिदिन के सुवचन

नवंबर - 2025

1 **लूका 1:35 – परमप्रधान**
मनन: 2 शमूएल 22:14; भजन संहिता 21:7; 92:8; 97:9; लूका 6:35

2 **भजन संहिता 41:12 – प्रभु आप को स्थिर करेगा**
मनन: निर्गमन 9:16; 2 इतिहास 9:8; रोमियों 14:4; 1 पतरस 5:10

3 **यशायाह 31:5 – सेनाओं का प्रभु**
मनन: यशायाह 54:5; यिर्मयाह 10:16; 51:19; होशे 12:5; आमोस 4:13

4 **2 कुरिन्थियों 3:17 – स्वतंत्रता की आत्मा**
मनन: यूहन्ना 8:32,36; प्रेरितों के काम 12:11; रोमियों 7:6; कुलुस्सियों 1:13

5 **प्रेरितों के काम 18:10 – परमेश्वर आपकेसाथ है**
मनन: व्यवस्थाविवरण 31:8; यहोशू 3:7; न्यायियों 6:13-16; मत्ती 28:20

6 **भजन संहिता 86:10 – परमेश्वर जो अद्भुत काम करता है**
मनन: निर्गमन 34:10; भजन संहिता 72:18; यशायाह 25:1; मीका 7:15

7 **इफिसियों 2:13 – यीशु मसीह का लहू**
मनन: यूहन्ना 6:53; रोमियों 3:26; इब्रानियों 13:12; 1 यूहन्ना 1:7

8 **भजन संहिता 115:12 – प्रभु ने हमें स्मरण किया है**
मनन: अय्यूब 14:13; भजन संहिता 40:17; यशायाह 55:8,9; यिर्म 29:11

9 **व्यवस्थाविवरण 28:7 – आप केशत्रु भाग जाएँगे**
मनन: गिनती 10:35; व्यवस्थाविवरण 6:19; 2 शमूएल 5:20; भजन संहिता 68:1

10 **भजन संहिता 103:13 – परमेश्वर दयालु है**
मनन: नहे 9:29-31; भजन संहिता 103:8; लूका 1:49,50;1पतरस 2:10

11 **2 पतरस 1:21 – पवित्र आत्मा**
मनन: यशायाह 44:3; यूहन्ना 3:34; प्रेरितों के काम 2:17,18; तीतुस 3:7

12 **यूहन्ना 3:36 – अनन्त जीवन**
मनन: मत्ती 19:29; लूका 18:30; यूहन्ना 5:24; 1 यूहन्ना 5:11

13 **रोमियों 12:12 – प्रार्थना में लगे रहें**
मनन: प्रेरितों के काम 1:13,14; रोमियों 15:32; फिलिप्पियों 4:6; कुलुस्सियों 4:2

14 **भजन संहिता 9:4 – धर्मी न्यायी**
मनन: उत्पत्ति 18:25; यशायाह 16:5; यिर्मयाह 11:20; 2 तीमुथियुस 4:8

15 **नीतिवचन 19:11 – क्षमा करें**
मनन: मरकुस 11:25; इफिसियों 4:32; कुलुस्सियों 3:13

16 **भजन संहिता 56:3 – प्रभु पर भरोसा रखें**
मनन: 2 इतिहास 20:20; भजन संहिता 115:9-11; नीतिवचन 16:20; यशायाह 26:4

17 **नीतिवचन 8:30 – प्रभु में आनन्दित रहें**
मनन: नहे. 12:43; यशायाह 29:19; योएल 2:23; हबक्कूक 3:18

18 **यूहन्ना 11:40 – विश्वास करें और महिमा पाएं**
मनन: यहेजकेल 10:18,19; रोमियों 5:1,2; 1 पतरस 1:8,9

19 **यशायाह 65:23 – आप धन्य लोग हैं**
मनन: उत्पत्ति 26:5; व्यवस्थाविवरण 7:11-14; यहोशू 24:3; यशायाह 61:9

20 **नीतिवचन 16:3 – आपकी योजनाएँ सिद्ध होंगी**
मनन: 1 शमू 25:33; 2 इतिहास 30:23; नीतिवचन 1:31; 2 कुरिं 8:10

21 **यशायाह 41:10 – प्रभु का दाहिना हाथ**
मनन: निर्गमन 15:6; भजन संहिता 18:35; 63:8; प्रेरितों के काम 5:31

22 **नीतिवचन 28:14 – प्रभु का भय मानें**
मनन: उत्पत्ति 22:11-18; भजन. 112:1,2; 128:1-4; नीतिवचन 14:26

23 **23. यशायाह 49:25 – प्रभु आपका मुकद्दमा लड़ेगा**
मनन: 1 शमूएल 24:15; भजन संहिता 35:1; 43:1; यशायाह 51:22

24 **नीतिवचन 8:17 – हमारे मित्र**
मनन: निर्गमन 33:11; 1 शमूएल 20:17; यूहन्ना 15:13-15

25 **भजन संहिता 148:14 – संत**
मनन: लैव्यव्यवस्था 20:26; भजन संहिता 37:28; नीतिवचन 2:8; मरकुस 6:20

26 **नीतिवचन 28:5 – प्रभु को खोजें**
मनन: भजन संहिता 105:3,4; यशायाह 55:6; आमोस 5:4; मत्ती 7:7,8

27 **भजन संहिता 144:12 – प्रभु आपके बच्चों को आशीष देगा**
मनन: उत्पत्ति 22:17; भजन संहिता 128:6; नीतिवचन 20:7; यशायाह 54:13

28 **नीतिवचन 13:12 – जीवन का वृक्ष**
मनन: नीतिवचन 3:18; 11:30; 15:4; प्रका 2:7

29 **भजन संहिता 119:148 – प्रभु का वचन**
मनन: 1 शमूएल 3:1; 2 शमूएल 22:31; भजन संहिता 105:19; लूका 4:32

30 **नीतिवचन 10:28 – आशा**
मनन: 2 राजा 18:1-5; 1 इतिहास 5:20; अय्यूब 13:15; भजन संहिता 34:8

इन दैनिक आशीषों को नीचे दिए गए चैनलों पर देखें क्योंकि दिनाकरन परिवार इन सच्चाइयों को समझाता है और आपके साथ प्रार्थना करता है।

Website: www.jesuscalls.org/en/dpv
Facebook: Jesus Calls page
Youtube: Subscribe to JesusCalls
Family Channel Mobile App
Family Channel: Online at www.familychannel.org

अक्टूबर 2025: परियोजना की मुख्य विशेषताएँ

✻ सीशा ने सैकड़ों वंचित महिलाओं की सहायता के लिए चेन्नई, कोयंबटूर और जालंधर में निःशुल्क सिलाई प्रशिक्षण केंद्रों का उद्घाटन किया। इसके अतिरिक्त, सीशा ने कड्डलूर में सरकार के साथ मिलकर वंचित परिवारों की युवतियों को लाभान्वित करने के लिए जूट उत्पाद निर्माण पाठ्यक्रम भी शुरूकिया।

✻ जम्मू-कश्मीर और पंजाब में विनाशकारी मानसूनी बाढ़ से निपटने के लिए, सीशा टीम ने 500 से अधिक परिवारों को सूखा राशन, बर्तन और कंबल सहित राहत सहायता प्रदान की और 450 से अधिक बच्चों को लाभान्वित किया। सीशा द्वारा समय पर की गई इस राहत की जम्मू के उधमपुर जिले के स्थानीय नेता श्री सुरिंदर ठाकुर ने सराहना की।

SEESHA
LET'S GIVE LIFE

कोयंबटूर सिलाई केंद्र का उद्घाटन

अड्यार सिलाई केंद्र का उद्घाटन

कड्डलूर जूट बैग निर्माण पाठ्यक्रम का शुभारंभ

जालंधर सिलाई केंद्र का शुभारंभ

नए कपड़ों के उपहार के साथ

खुशी और उम्मीद की किरण...

गरीबी के कारण लगभग 40% ग्रामीण बच्चे फटे-पुराने कपड़े पहनते हैं, जिससे उन्हें शर्मिंदगी उठानी पड़ती है और अपने परिवारों के संघर्षों की रोजाना याद आती है। इस दुर्दशा को समझते हुए, सीशा हर साल हजारों वंचित बच्चों को खुशी और सम्मान दिलाने के लिए नए कपड़े उपहार में देता है, पिछले साल लगभग 25,000 ऐसे बच्चों तक पहुँच बना पाया।

इस साल, हमारी योजना चेन्नई, कुड्डालोर, कोयंबटूर, व्यारा, रांची, ओडिशा, पंजाब और केरल सहित भारत भर के शहरी झुग्गी-झोपड़ियों, दूरदराज के आदिवासी इलाकों और ग्रामीण गाँवों में रहने वाले 30,000 से ज्यादा बच्चों तक नए कपड़ों की खुशी पहुँचाने की है। साल के इस सबसे खूबसूरत समय में, आप निम्नलिखित तरीकों से उनकी नई शुरुआत का हिस्सा बन सकते हैं:

✻ 10 जरूरतमंद बच्चों के लिए नए कपड़े प्रायोजित करें: रु. 5,000/-

✻ 1 सीशा लर्निंग सेंटर के बच्चों के लिए नए कपड़े प्रायोजित करें: रु. 12,500/-

✻ 1 आदिवासी बस्ती के बच्चों के लिए नए कपड़े प्रायोजित करें: रु. 1,00,000/-

ALL DONATIONS ARE TAX-EXEMPTED UNDER SECTION 80G

बिना किसी बोझ के खुशी का जश्न!

'मैं नल्लूरपथी आदिवासी गाँव में सातवीं कक्षा का छात्र हूँ। मैंने बहुत छोटी उम्र में ही अपनी माँ को खो दिया था। तब से, मेरे पिता एक दिहाड़ी मजदूर है और घर का खर्च भी चलाते है। त्योहारों का मतलब हमेशा उनके लिए भारी आर्थिक बोझ होता था। जब सीशा ने मुझे एक नई कपड़े उपहार में दी, तो मेरे पिता की चिंता दूर हो गई। मुझे एक नई, चटक कपड़े में देखकर उन्हें बहुत खुशी हुई। इस उपहार से हमारा परिवार बिना किसी बोझ के और खुशी से जश्न मना पाता है।'

– एम. संजय, नए कपड़े लाभार्थी, कोयम्बटूर

DONATE TO SEESHA

UPI ID : 9384015155@okbizaxis

UPI: G Pay, PhonePe, Paytm, UPI, amazon pay
Wallets: Freecharge, MobiKwik
You can also donate through: https://seesha.app

044 66660000
+91 9300 600 600
www.seesha.org
info@seesha.org
* When you Donate send the Details to +91 9300 600 600
SEESHA house No.37, Gandhi Road, Tambaram (West), Chennai - 600045

Printed by G.L.B.Ernest and Published by G.L.B.Ernest on behalf of Jesus Calls and Printed at Rasi Graphics Private Limited, DP 69-71-A, Sidco Industrial Estate, Thirumazhisai, Poonamallee Taluk, Thiruvallur District.
and pubished at 16, Dr. D.G.S. Dhinakaran Salai, Chennai - 28, Editor: G.L.B.Ernest

परमेश्वर के मिशन में सहभागी बने

हम इन महान शहरव्यापी मिशनों में आपके समर्थन का स्वागत करते है ताकि लाखों आत्माओं को आशीर्वाद मिल सके जो व्यक्तिगत रूप से या ऑनलाइन भाग लेते है।

इन आयोजनों के लिए मेरा समर्थन

- ❑ 1,00,000/- रुपये से 100 लोगों का जीवन प्रभावित होगा
- ❑ 5,00,000/- रुपये से 500 लोगों का जीवन प्रभावित होगा
- ❑ 10,000/- रुपये से 10 लोगों का जीवन प्रभावित होगा
- ❑ मै -------------------- रुपये देना चाहूँगा

अपने परिवार और दोस्तों के साथ आएं... आशीर्वाद पाएं...

REGISTERED Newspaper PRGI No. TNHIN/2003/11592

Karunya
DEEMED UNIVERSITY
SOLVING HUMAN PROBLEMS
NAAC Accredited A++

CATEGORY 1 Institution UGC Act

INDIA'S TOP RANKED UNIVERSITY
KARUNYANS GET HIRED BY TOP MNC's FROM YEAR TWO

Admissions 2026 OPEN

APPLY NOW!
Scan QR Code to Start the Admission Process

Programs Offered:
ENGINEERING | AGRICULTURE | MANAGEMENT | ARTIFICIAL INTELLIGENCE | COMMERCE | FORENSIC SCIENCE | DIGITAL FORENSICS | PHYSICAL SCIENCES | MEDIA | ONLINE MBA

ACADEMIC COLLABORATORS
edveon, Google, PHOENIX Phoenix Medical Systems (P) Ltd., suez, AMARON, FESTO, ZOHO

Karunya Institute of Technology and Sciences,
Karunya Nagar, Siruvani Main Road, Coimbatore - 641 114. Tamil Nadu, India.
E-mail: admissions@karunya.edu • Website: www.karunya.edu
Toll Free: 1800 42 54 300, 1800 88 99 888